मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 119
बुधवार, 11 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी रोकने के उपाय बताएं वाट्सएप और अन्य प्लेटफार्म : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने वाट्सएप और अन्य इंटरमीडियरीज से देश में डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी और इससे जुड़े साइबर अपराध रोकने के लिए प्रस्तावित उपायों की जानकारी देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने उन्हें अपने प्रस्ताव भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइपीएसी) को भी सौंपने को कहा है।



प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने फर्जी दस्तावेजों से जुड़े डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों के संबंध में शीर्षक वाले स्वतः संज्ञान मामले पर 29 अक्टूबर को हुई सुनवाई में उक्त आदेश दिया था, जो हाल में सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

सुनवाई के दौरान वाट्सएप की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ को बताया था कि प्लेटफार्म ने रोकथाम के एहतियाती उपाय किए हैं, जिनमें 9400 अकाउंट्स के विरुद्ध कार्रवाई भी शामिल है। उन्होंने उठाए गए कदमों का ब्योरा देते हुए हलफनामा दाखिल करने की बात भी कही थी।

सिब्बल का कहना था कि प्लेटफार्म संदिग्ध अकाउंट्स की पहचान करने और यूजर्स को आगाह करने वाला साफ्टवेयर तैयार कर रहा है।

शीर्ष अदालत का कहना था कि डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी और साइबर ठगी के अन्य मामलों में वित्तीय संस्थानों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

कोर्ट ने जोर देकर कहा था कि यदि जांच में यह साबित होता है कि वित्तीय संस्थान या बैंक की ओर से सतर्कता बरतने में विफलता के कारण धोखाधड़ी हुई है, तो बैंकों से पीड़ितों को हुए नुकसान की भरपाई कराई जानी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली प्रदूषण पर केंद्र को घेरा, पूछा क्या पीएम देंगे हवा का हिसाब



नई दिल्ली, 10 नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच मंगलवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली विश्वगुरु क्यों बनती जा रही है और क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को हवा का हिसाब देने का साहस दिखाएंगे? दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने को भी इसकी एक प्रमुख वजह माना जा रहा है। खरगे ने मोदी सरकार पर प्रदूषण से निपटने के लिए टुकड़ों में उपाय करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वायु प्रदूषण के मामले में हम विश्वगुरु क्यों बन रहे हैं? टुकड़ों में किए गए उपाय, प्रचार के हथकंडे, अधूरे वादे और एक-दूसरे पर आरोप लगाना भाजपा की पहचान बन गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छ हवा मौलिक अधिकार है, सरकार की ओर से दी जाने वाली कोई विशेष सुविधा नहीं। खरगे ने दावा किया कि पिछले साल वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) निगरानी केंद्रों के आसपास पानी के टैंकरों से छिड़काव किया गया था, ताकि प्रदूषण के आंकड़ों को कम दिखाया जा सके। इस साल प्रदूषण चरम पर पहुंचने के दौरान दिल्ली के 59 में से 36 निगरानी केंद्रों पर पीएम2.5 के आंकड़े ही गायब हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 वर्षों में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर केवल बयानबाजी की है। उन्होंने दावा किया कि आठ मई, 2019 को मोदी ने इसे बड़ी चुनौती बताया था, लेकिन उनकी सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। खरगे ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान तक लोग स्वच्छ हवा के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या मोदी जी देश को हवा का हिसाब देने का साहस दिखाएंगे? उन्होंने दावा किया कि सितंबर 2026 के एक आरटीआई जवाब के अनुसार, दिल्ली में पर्यावरण क्षतिपूर्ति के तौर पर जुटाए गए 1,154 करोड़ रुपये खर्च नहीं किए गए।

राहुल गांधी के बयान पर किरेन रिजिजू का पलटवार

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि सरकार का अगला लक्ष्य दिमागी नक्सलियों को खत्म करना है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश से सशस्त्र माओवादियों का सफाया करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहिए। रिजिजू ने '' पर लिखा कि राहुल जी, सशस्त्र माओवादियों को खत्म करने के लिए मोदी जी को धन्यवाद दीजिए। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी ने वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद को भारत के लिए 'आंतरिक सुरक्षा का सबसे बड़ा खतरा' बताया था। अब अगला लक्ष्य 'दिमागी नक्सलियों' को खत्म करना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को CRPF जवानों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी पर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जवानों ने उनके झूठ



पर यकीन नहीं किया। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री को एक बार फिर चुनौती दी कि वे इस बात पर बहस करें कि असल में कौन देश-विरोधी है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें नक्सली कहा है। उन्होंने दावा किया कि इस बहस के बाद, प्रधानमंत्री मोदी में फिर कभी किसी एक जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं बचेगी। CRPF जवानों को संबोधित करते हुए, पर अपनी एक पोस्ट में गांधी ने कहा, प्रिय @crpfindia, आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा थाः आपने PM के झूठ पर यकीन नहीं किया। गांधी ने कहा, उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वे मुझसे इस बात पर बहस कर लें कि कौन देश-विरोधी है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है। कभी भी, कहीं भी। मेरी गारंटी हैः इस बहस के बाद, PM में दोबारा किसी एक जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं बचेगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी, PM मोदी द्वारा अपने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधने के एक दिन बाद आई है। PM ने कहा था कि हथियारबंद माओवादियों का तो सफाया कर दिया गया है, लेकिन दिमागी नक्सली कई राजनीतिक दलों और संगठनों में घुसपैठ कर चुके हैं और लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

गोवर्धन पूजा में काशी की सड़कों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, शोभायात्रा में दिखी धर्म-संस्कृति की झलक

◆मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का काशी में भव्य स्वागत, हथुआ मार्केट से नमोघाट तक निकली यात्रा में श्रीकृष्ण-बलराम, शिव पार्वती और शहीद यदुवंशियों की झांकियों ने मोहा मन

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी में गोवर्धन पूजा का उल्लास मंगलवार को आस्था, शौर्य और सांस्कृतिक वैभव की विराट अभिव्यक्ति बनकर सड़कों पर उतरा। गोवर्धन पूजा समिति की ओर से आयोजित भव्य शोभायात्रा में धर्म और संस्कृति के विविध रंग दिखाई दिए। हथुआ मार्केट से निकली यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम, शिव-पार्वती और श्रीराम की आकर्षक झांकियों के साथ वृंदावन-मथुरा के कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बनारसी लट्ठबाजी और ग्वाल-बालों की टोली ने शोभायात्रा में परंपरा और लोकशौर्य का अनूठा रंग घोला। इस आयोजन में शामिल होने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी काशी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के स्वागत की अगुवाई भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने की। स्वागत करने वालों में प्रदेश के मंत्री रवींद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', गिरीश यादव और हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, शालिनी यादव, विजय यादव, अशोक यादव, उत्तम ओझा तथा भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं एयरपोर्ट प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल रहे। मुख्यमंत्री के स्वागत में कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।



शहीद यदुवंशियों की झांकी ने जगाया राष्ट्रभक्ति का भावः शोभायात्रा का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र यादव ने किया। इस बार यात्रा में वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में शहीद हुए 119 यदुवंशियों को समर्पित विशेष झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इसके माध्यम से देश की रक्षा में यदुवंशी वीरों के बलिदान और शौर्य को स्मरण किया गया। काशी के वीर लहुराबीर, बेचूबीर और बचऊबीर से जुड़ी झांकियों ने भी लोगों का ध्यान खींचा। **हथुआ मार्केट से दोपहर 12 बजे निकली शोभायात्राः** लहुराबीर, कबीरचौरा, मैदागिन, मछोदरी, प्रहलादघाट और भैंसासुर होते हुए नमोघाट स्थित गोवर्धन धाम पहुंची।

नरमुंड धारण कर नृत्य करते भगवान शिव का स्वरूप, शिव-पार्वती, श्रीकृष्ण-बलराम और श्रीराम की झांकियों ने धार्मिक वातावरण को जीवंत कर दिया। वृंदावन और मथुरा से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ बनारसी लट्ठबाजी ने काशी की पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान में पोलियो रोधी अभियान को धर्म विरोधी मानते हैं कट्टरपंथी, अब बंदूकधारियों ने 3 टीकाकरण कर्मियों को किया अगवा

पाकिस्तान। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में जारी टीकाकरण अभियान के दौरान अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पोलियो टीकाकरण से जुड़े तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हथियारबंद लोग इन तीनों कर्मचारियों को खैबर पख्तूनख्वा के टैंक जिले से अगवा करके किसी अज्ञात जगह पर ले गए। अपहृत कर्मचारियों की पहचान मीर जनन, इकराम और खानजाला के रूप में हुई है। टैंक जिला प्रशासन ने भी अपहरण की पुष्टि करते हुए बताया कि अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सोरघर इलाके से पोलियो टीकाकरण से जुड़े तीन कर्मचारियों को अगवा कर लिया है। खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीकाकरण दलों को निशाना बनाकर किए जा रहे अपहरण और हमलों की कई घटनाओं के बीच यह वाकया सामने आया है। टैंक जिले के शेख अत्तर इलाके से अज्ञात हथियारबंद लोगों ने दो नवंबर को चार पोलियो कर्मचारियों का अपहरण कर लिया था। वहीं, लोअर साउथ वजीरिस्तान के आजम वारसक से अगवा किए गए दो अन्य टीकाकरण कर्मियों को बाद में मुक्त कर दिया गया। खैबर जिले के जमरूद के चपरी इलाके से चार नवंबर को पोलियो अभियान के पर्यवेक्षक जलील खान का अपहरण कर लिया गया था। एक अन्य घटना में तीन नवंबर को मोहमंद जिले में पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गया। बार-बार हो रही इन घटनाओं से पोलियो उन्मूलन के लिए देशव्यापी अभियान में जुटे अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया चार दिवसीय शिवपुरी प्रवास के दौरान लगभग 134 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

शिवपुरी, 10 नवम्बर। स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया चार दिवसीय शिवपुरी प्रवास पर बुधवार देर रात पहुंचेंगे। इस प्रवास के दौरान वे शिवपुरी जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से लगभग 134 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। शिवपुरी, कोलारस और पिछोर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस दौरान एक दर्जन से अधिक सड़कों सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की सौगात क्षेत्रवासियों को मिलेगी।

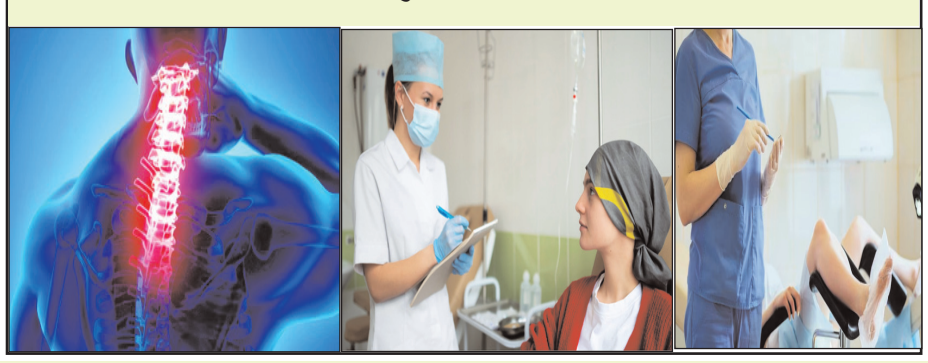
गुरुवार सुबह केंद्रीय मंत्री सिंधिया टूरिस्ट विलेज से प्रस्थान कर सुबह 10 बजे श्रीमंत माधवराव



स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पहुंचेंगे। यहां वे अंडर-18 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट तथा 70वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप (अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग) का शुभारंभ करेंगे।

इस अवसर पर वे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। राष्ट्रीय एवं अंतरजिला स्तर की इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। खेल सुविधाओं के विस्तार और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण होगा।खेल प्रतियोगिताओं के शुभारंभ के पश्चात केंद्रीय मंत्री सिंधिया कोलारस विधानसभा क्षेत्र के भड़ौता पहुंचेंगे। यहां आयोजित कार्यक्रम में लगभग 39 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात वे सिंघराई माता मंदिर पहुंचेंगे, यहाँ आयोजित कार्यक्रम में लगभग 14 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण करेंगे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भैया दूज (11 नवम्बर 2026) पर विशेष

भैया दूज: रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक



-ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के



प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मयार्दा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। ह्लचमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है ह्व भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। ह्लकोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानीह्व वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़े भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बढ़ता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

विकास की वेदी पर बलि चढ़ती प्रकृति



अशोक भाटिया

अरुणाचल प्रदेश के शी योमी और सियांग जिलों में सियोम नदी पर प्रस्तावित 1,000 मेगावाट की 'नायिंग जलविद्युत परियोजना' को पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति द्वारा प्राथमिक मंजूरी दे दी गई है। राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 470 हेक्टेयर वन भूमि का इस्तेमाल होगा, जिसके कारण इस अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र से एक लाख से अधिक हरे-भरे पेड़ों को काट दिया जाएगा। यह खबर औद्योगिक और ढांचागत विकास के मोर्चे पर जितनी सकारात्मक लगती है, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से उतनी ही भयावह है। पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश, अपने सघन वर्षावनों और दुर्लभ जैव-विविधता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। ऐसे में विकास के नाम पर एक लाख से अधिक जीवित वृक्षों की सामूहिक बलि देना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह प्राकृतिक तबाही वाकई अपरिहार्य थी? क्या इस अभूतपूर्व नुकसान की भरपाई संभव है? और इस विनाश के बदले अरुणाचल प्रदेश तथा वहां के मूल निवासियों को वास्तव में क्या हासिल होने वाला है?

गौरतलब है कि बिजली घर, सुरंगें और भारी मशीनरी स्थापित करने के लिए एक बहुत बड़े भूभाग की जरूरत है। इस विवाद में सबसे बुनियादी सवाल यह है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर जंगलों को उजाड़े बिना बांध का निर्माण संभव नहीं था? जलविद्युत परियोजनाओं की तकनीकी रूपरेखा पूरी तरह से नदियों के प्रवाह और पानी के विशाल संचय पर टिकी होती है। नायिंग परियोजना के लिए विशालकाय बांधजिस क्षेत्र में यह बांध प्रस्तावित है, वह उच्च संरक्षण मूल्य वाले घने जंगलों के अंतर्गत आता है। इंजीनियरिंग और जलविज्ञान के नियमों के मुताबिक, जब बांध के जरिए नदी के पानी को रोका जाता है, तो उसके पीछे का एक बहुत बड़ा इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। इस डूब क्षेत्र में आने वाले सभी पेड़ों और वनस्पतियों को पहले ही काट देना तकनीकी और सुरक्षा कारणों से जरूरी माना जाता है। यदि इन पेड़ों को बिना काटे वैसे ही पानी में डूबने के लिए छोड़ दिया जाए, तो पानी के भीतर वे सड़ने लगते हैं। इस सड़न से बड़े पैमाने पर मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन होता है, जो पानी की गुणवत्ता को नष्ट कर पूरे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देती हैं। यही वजह है कि जलाशय की जलधारण क्षमता बनाए रखने के लिए इन एक लाख पेड़ों को हटाना सरकारी ब्लूप्रिंट में एक व्यावहारिक विवशता बन जाता है।

जब हम एक लाख पेड़ काटने की बात करते हैं, तो प्रशासनिक फाइलों पर यह केवल एक निर्जीव संख्या की तरह दिखता है, लेकिन प्रकृति के विज्ञान में यह सदियों की अनवरत तपस्या का अंत है। इंसानी हाथों द्वारा लगाए जाने वाले कृत्रिम बागानों और प्राकृतिक वनों के बीच एक ऐसा अंतर होता है जिसे कभी पाटा नहीं जा सकता। एक सामान्य पौधा लगाने के बाद उसे एक परिपक्व वृक्ष बनने में भले ही 15 से 20 वर्ष का समय लगता हो, लेकिन जब हम एक वास्तविक जंगल की

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

बात करते हैं, तो वह केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि एक जटिल और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र होता है। अरुणाचल प्रदेश के ये जंगल अत्यधिक घने वन की श्रेणी में आते हैं, जिनमें सदियों पुराने विशालकाय ओक, पाइन और देवदार के वृक्ष शामिल हैं। इस तरह के एक समृद्ध वर्षावन को पूरी तरह से अपने मूल प्राकृतिक स्वरूप में लौटने के लिए कम से कम 80 से 150 वर्ष का लंबा वक्त लगता है। इन प्राकृतिक वनों में कई स्तरों पर वनस्पतियां, मिट्टी की सूक्ष्म जैविक संरचना, कवक और स्थानीय जीव-जंतुओं का एक पूरा संसार विकसित होता है। विडंबना यह है कि इंसानी प्रयासों द्वारा किए जाने वाले प्रतिपूरक वनीकरण में लगाए गए पौधों में से केवल 20 से 25 प्रतिशत ही जीवित रह पाते हैं। इसलिए कोई भी कृत्रिम रोपण कभी भी उस प्राकृतिक जैव-विविधता का विकल्प नहीं बन सकता जो प्रकृति ने सदियों के क्रमिक विकास से तैयार की है।

भारतीय वन कानूनों के तहत, जब भी किसी विकास परियोजना के लिए वन भूमि का डायवर्जन किया जाता है, तो निर्माण एजेंसी से 'प्रतिपूरक वनीकरण' के तहत भारी आर्थिक हर्जाना वसूला जाता है। नायिंग परियोजना के लिए भी समिति ने सख्त शर्तें लगाई हैं, जिसके तहत काटे गए पेड़ों की संख्या से दोगुनी संख्या में नए पेड़ लगाने और नष्ट हुए वन्यजीव आवासों के पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना का खर्च उठाना होगा। परंतु, इस हर्जाने की नीति में एक बहुत बड़ी भौगोलिक विसंगति हमेशा से मौजूद रही है। अरुणाचल प्रदेश का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग पहले से ही सघन वनों से ढका हुआ है, जिसके कारण राज्य के भीतर वनीकरण के लिए अतिरिक्त गैर-वन भूमि मिलना लगभग नामुमकिन होता है। इसी वजह से पूर्व की कई परियोजनाओं के अनुभवों को देखें, तो अरुणाचल में काटे जाने वाले वनों का हजार्ना और नया वनीकरण मध्य प्रदेश या अन्य मैदानी राज्यों में सैकड़ों किलोमीटर दूर खाली पड़ी भूमि पर करने का प्रस्ताव दिया जाता रहा है। यह प्रक्रिया कानूनी कागजों पर भले ही हजार्ना मान ली जाए, लेकिन पारिस्थितिकी के तराजू पर यह पूरी तरह निरर्थक है। अरुणाचल के संवेदनशील पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में जो एक लाख पेड़ कटेंगे, उससे वहां की स्थानीय जलवायु, वर्षा का चक्र, भूस्खलन की आवृत्ति और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा, जिसकी भरपाई देश के किसी अन्य कोने में पेड़ लगाकर कभी नहीं की जा सकती।

इस भारी प्राकृतिक कीमत को चुकाने के बाद यह जानना जरूरी है कि इस पूरे सौदे से अरुणाचल प्रदेश और उसके नागरिकों को अंततः क्या हासिल होने वाला है। सरकार के आर्थिक तथा रणनीतिक रोडमैप के अनुसार, यह परियोजना अरुणाचल को बिजली आधिक्य राज्य बनाने और उसकी आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। इसके क्रियान्वयन से अरुणाचल प्रदेश को उत्पादित होने वाली कुल बिजली का 12 प्रतिशत हिस्सा रॉयल्टी के रूप में पूरी तरह मुफ्त मिलेगा, जिसे ग्रिड या अन्य राज्यों को बेचकर राज्य सरकार हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व अर्जित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, निर्माण और संचालन के चरणों में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सुदूरवर्ती और दुर्गम जिलों में पक्की सड़कों, पुलों, अस्पतालों और आधुनिक स्कूलों का विकास होगा, जो स्थानीय कनेक्टिविटी और जीवन स्तर को ऊपर उठाएगा। सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक सुरक्षा से जुड़ा है; चीन की सीमा के निकट होने के कारण इस नदी के निचले हिस्से पर भारत द्वारा इन बड़े बांधों का निर्माण करना बेहद जरूरी है, ताकि ऊपरी तटीय क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांधों के जवाब में भारत अपने अंतरराष्ट्रीय जल अधिकारों को मजबूती से सुरक्षित कर सके।

निष्कर्ष के तौर पर यह स्पष्ट है कि 'नायिंग जलविद्युत परियोजना' को मंजूरी मिलना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक नीतियों की एक बड़ी जीत हो सकती है, लेकिन एक लाख पेड़ों की यह सामूहिक बलि इस जीत पर पर्यावरण की ओर से एक गहरा दाग भी है। जब हम एक लाख पेड़ काटते हैं, तो हम केवल लकड़ी का नुकसान नहीं कर रहे होते, बल्कि हम हिमालय की संवेदनशील और दरकती पहाड़ियों की जड़ों को कमजोर कर रहे होते हैं, जिससे भविष्य में विनाशकारी भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और बड़े पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विकास और पर्यावरण के इस अंतहीन टकराव में अब हमें पुराने प्रशासनिक तौर-तरीकों से हटकर सोचने की सख्त जरूरत है। यदि इन पेड़ों को काटना एक अपरिहार्य तकनीकी मजबूरी है, तो इसके हजार्ने के तहत होने वाले वनीकरण को महज कागजी खानापूर्ति या दूसरे राज्यों में पेड़ लगाने की औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बजाय सरकार और निर्माण कंपनियों को अरुणाचल के ही स्थानीय, भूस्खलन-संवेदनशील इलाकों में वैज्ञानिक पद्धतियों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके युद्धस्तर पर सघन वनों को पुनर्जीवित करने का जिम्मा उठाना होगा, क्योंकि विकास केवल तभी तक टिकाऊ और सार्थक है जब तक प्रकृति हमें खुलकर सांस लेने की अनुमति देती है।

भाई दूज: रक्षा के वचन से आगे, बराबरी के अधिकारों की दरकार



-अजय कुमार

भाई दूज पर बहन भाई के माथे पर तिलक लगाती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती है। भाई उपहार देता है, साथ निभाने का वचन देता है और परिवार इस रिश्ते की आत्मीयता का उत्सव मनाता है। लेकिन इस रस्म के बीच एक सवाल अनिवार्य हैः जिस बहन के हाथों तिलक लगवाकर भाई अपनी सलामती की दुआ मांगता है, क्या उसी बहन को वह अपने घर और समाज में बराबरी देता है? क्या उसकी इच्छा, शिक्षा, संपत्ति, रोजगार और फैसलों को भी उतना ही सम्मान मिलता है, जितना त्योहार की परंपरा को? यदि नहीं, तो भाई दूज की चमक के पीछे एक बड़ी सामाजिक विसंगति छिपी है। बहन की लंबी उम्र की कामना तभी सार्थक है, जब उसे सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीने का अवसर भी मिले। भाई दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। इस पर्व की कथा यमराज और उनकी बहन यमुना से जुड़ी है। मान्यता है कि यमराज अपनी बहन के घर पहुंचे। यमुना ने उनका तिलक किया और प्रेमपूर्वक भोजन कराया। बहन के स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान दिया कि इस दिन बहन के हाथों तिलक करवाने वाले भाई को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा। इसी कारण इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। कृष्ण और सुभद्रा की कथा भी भाई-बहन के स्नेह की याद दिलाती है। इन कथाओं का मूल भाव अपनापन, विश्वास और एक-दूसरे के कल्याण की कामना है। परंपरा का सम्मान केवल कथा दोहराने से नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे मानवीय मूल्य को जीवन में उतारने से होता है।

भारतीय समाज में बहन के प्रति स्नेह की कमी नहीं दिखाई देती, लेकिन उसके अधिकारों के सवाल पर यही स्नेह अक्सर शर्तों में बदल जाता है। त्योहार पर बहन को उपहार दिया जाता है, मगर पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगने पर कई परिवारों में रिश्तों और संस्कारों की दुहाई दी जाने लगती है। बेटी से कहा जाता है कि उसका असली घर ससुराल है, इसलिए मायके की संपत्ति पर उसका दावा उचित नहीं है। यह सोच न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि उस बराबरी के भी विरुद्ध है जिसकी गारंटी कानून देता है। हिंदू उत्तराधिकार कानून में 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को पैतृक संपत्ति में बेटों के समान अधिकार मिला है। बहन का हक कोई भाई अपनी उदारता से नहीं देता; वह उसका अधिकार है। अधिकार को उपहार बताना भी अन्याय को परंपरा का आवरण पहनाना है। भाई दूज को केवल बहन की रक्षा के वचन तक सीमित करना भी रिश्ते की अधूरी व्याख्या है। रक्षा के नाम पर उसकी आवाजाही रोकना, कपड़ों पर टिप्पणी करना, मित्रता पर शक करना या जीवन के फैसले अपने हाथ में लेना संरक्षण नहीं, बल्कि नियंत्रण है। जिस घर में बेटे की स्वतंत्रता को स्वाभाविक और बेटी की स्वतंत्रता को खतरा समझा जाता है, वहां भाई दूज का तिलक बराबरी का संदेश नहीं दे पाता। सुरक्षा का अर्थ महिलाओं को घरों में बंद रखना नहीं, बल्कि घर से बाहर तक ऐसा माहौल बनाना है, जहां वे बिना भय और भेदभाव के रह सकें। बहन को भरोसा चाहिए, पहरेदारी नहीं; साथ चाहिए, अनुमति देने वाला अभिभावक नहीं।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में बदलाव के संकेत जरूर मिले हैं। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई। हालांकि, श्रमबल भागीदारी दर में काम कर रहीं और काम की तलाश कर रहीं, दोनों तरह की महिलाएं शामिल होती हैं। रोजगार में लगी महिलाओं का अनुपात बताने वाला श्रमिक जनसंख्या अनुपात 2017-18 में 22 प्रतिशत था, जो 2023-24 में बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। इन सकारात्मक बदलावों के बावजूद महिलाओं के सामने कम वेतन, असुरक्षित कार्यस्थल, घरेलू काम का असमान बोझ और अपनी कमाई पर सीमित नियंत्रण जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। बहन को महंगा उपहार देने से अधिक जरूरी है कि उसके रोजगार, कारोबार, पढ़ाई और आर्थिक फैसलों में परिवार उसका साथ दे। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल कमाना नहीं, बल्कि अपनी कमाई और जीवन पर अधिकार होना भी है। यदि बहन अपनी मेहनत की कमाई खर्च करने के लिए भी किसी की अनुमति पर निर्भर है, तो आर्थिक स्वतंत्रता का दावा अधूरा है।

सुरक्षा का सवाल इस पर्व के भावनात्मक संदेश को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में महिलाओं के खिलाफ 4,41,534 मामले दर्ज हुए। उत्तर प्रदेश में ऐसे 66,398 मामले दर्ज किए गए। ये दर्ज मामले हैं। इनके अलावा सामाजिक दबाव, बदनामी के भय और व्यवस्था पर अविश्वास के कारण अनेक घटनाएं शिकायत तक नहीं पहुंच पातीं। पुलिस, प्रशासन, न्याय व्यवस्था, शिक्षण संस्थानों और परिवारों सभी की जवाबदेही है। भाई का वचन तभी अर्थ रखता है, जब समाज बेटियों को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, त्वरित न्याय और बिना डर अपनी बात कहने का अधिकार दे। महिलाओं की सुरक्षा को केवल भाई या पिता की निजी जिम्मेदारी बताकर संस्थाओं और समाज को जवाबदेही से मुक्त नहीं किया जा सकता।

इस पर्व की खूबसूरती उसकी विविधता में भी है। उत्तर भारत में भाई दूज या यम द्वितीया, बंगाल में भाई फोंटा, महाराष्ट्र और गोवा में भाऊ बीज तथा नेपाल में भाई टीका के रूप में यह परंपरा निभाई जाती है। रीति-रिवाज अलग हैं, लेकिन केंद्र में भाई-बहन का स्नेह है। तकनीक ने दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए संवाद आसान किया है, लेकिन रिश्ते की असली मजबूती रोजमर्रा के व्यवहार से तय होती है। बहन की परेशानी में साथ खड़ा होना, उसके निर्णय का सम्मान करना और जरूरत पड़ने पर बिना शर्त मदद करना किसी औपचारिक शुभकामना से बड़ा है। यह रिश्ता एकतरफा संरक्षण नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग का होना चाहिए। भाई दूज का अर्थ तभी पूरा होगा, जब बहन को परिवार की बराबर की सदस्य माना जाएगा सिर्फ त्योहार पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में भी। उसे संपत्ति में हिस्सा मांगने पर अपराध बोध न हो, पढ़ाई और नौकरी चुनने के लिए अनुमति की मोहताज न होना पड़े और उसकी असहमति को बदतमीजी न कहा जाए। भाइयों को समझना होगा कि बहन की रक्षा का सबसे मजबूत तरीका उसे निर्भर बनाए रखना नहीं, बल्कि उसके अधिकारों और आत्मविश्वास को मजबूत करना है। माथे पर लगा तिलक कुछ घंटों में मिट जाएगा, मिठाई खत्म हो जाएगी और त्योहार की रौनक भी उतर जाएगी। लेकिन बहन को दिया गया सम्मान, उसके अधिकारों की स्वीकृति और मुश्किल समय में निभाया गया भरोसा जीवन भर साथ रहेगा। इस भाई दूज पर भाई की लंबी उम्र की दुआ के साथ बहन की स्वतंत्र, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जिंदगी का संकल्प भी जरूरी है। क्योंकि बहन को केवल बचाने की नहीं, बल्कि बराबरी से जीने देने की जरूरत है। यही इस पर्व का सच्चा संदेश है, आज भी।

वादों की झड़ी-पीडीए के चक्रव्यूह से क्या अखिलेश की राह होगी आसान



-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके प्रमुख अखिलेश यादव के लिए एक ऐतिहासिक परीक्षा बनने जा रहा है। पिछले एक दशक से अधिक समय से राज्य की सत्ता से बाहर चल रही सपा के लिए यह चुनाव मात्र एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा और वजूद की लड़ाई बन चुका है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद अखिलेश यादव के हौसले बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में वापसी की पूरी उम्मीद नजर आ रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सपा प्रमुख ने लोक-लुभावने वादों की झड़ी लगा दी है और साथ ही सामाजिक समीकरणों को साधने के लिए एक अभेद्य चक्रव्यूह तैयार किया है। चुनावी वैतरणी पार करने के लिए अखिलेश यादव ने मतदाताओं के सामने राहतों का एक बड़ा पिटारा खोल दिया है। आम उपभोक्ताओं और किसानों को बड़ी राहत देने के लिए मुफ्त या बेहद सस्ती बिजली और घरेलू उपयोग के लिए मुफ्त पानी देने का वादा। स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति सुधारने के साथ-साथ आम जनता को मुफ्त उच्च शिक्षा और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियों की बहाली और रोजगार मिलने तक मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की योजना। पुरानी पेंशन योजना की तर्ज पर कर्मचारियों को सुरक्षा देने का वादा और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के दायरे को बढ़ाना भी अखिलेश के वादों में शामिल है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन लोक-लुभावने वादों की श्रृंखला इतनी व्यापक है कि इसे पूरी तरह लागू करने पर उत्तर प्रदेश का मौजूदा बजट भी छोटा पड़ सकता है। राजकोषीय घाटा, मुफ्त बिजली, पानी और बेरोजगारी भत्ते जैसे खर्चों से राज्य के राजस्व पर भारी बोझ पड़ेगा, जिससे विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय कम हो सकता है। इन घोषणाओं को अमली जामा पहनाने के लिए सरकार को बाजार से भारी कर्ज लेना पड़ सकता है, जो राज्य को कर्ज के जाल में धकेल सकता है। खैर, केवल वादों के सहारे सत्ता में आना आसान हो सकता है, लेकिन सीमित वित्तीय संसाधनों के बीच इन्हें धरातल पर उतारना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए एक प्रशासनिक दुःस्वप्न साबित हो सकता है। अखिलेश यादव ने इस बार पारंपरिक माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण से आगे बढ़कर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा बुलंद किया है। उनका दावा है कि इस गठबंधन को करीब 95 फीसदी पारंपरिक और शोषित वर्गों का समर्थन हासिल होगा। अखिलेश का गैर-यादव पिछड़ी जातियों को यह अहसास दिलाना कि सपा केवल एक विशेष जाति की पार्टी नहीं है, बल्कि पूरे पिछड़े समाज की हितैषी है। सपा के लिए एक बड़ा दांव है। उधर, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कमजोर होने का सीधा फायदा उठाने के लिए अखिलेश लगातार बाबासाहेब आंबेडकर और डॉ. लोहिया के सिद्धांतों को एक साथ जोड़ रहे हैं, ताकि मायावती के पारंपरिक कैडर को सपा की तरफ मोड़ा जा सके। जबकि मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने के लिए सपा खुद को भाजपा के खिलाफ एकमात्र मजबूत विकल्प के रूप में पेश कर रही है। इसके साथ-साथ रणनीतिक रूप से, अखिलेश यादव अब अपनी हिंदू पहचान को भी खुलकर प्रदर्शित कर रहे हैं। वे एक व्यापक हिंदू-मुस्लिम-यादव गठबंधन बनाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे को कुंद किया जा सके।

सपा प्रमुख अगले साल के चुनाव के लिए रणनीति तो बना रहे हैं, लेकिन वह स्वयं चुनाव लड़ने के लिए मैदान में नहीं कूदेंगे। नवंबर 2026 में वाराणसी में एक बड़ा रणनीतिक संकेत देते हुए अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी 2027 का विधानसभा चुनाव खुद नहीं लड़ेंगे। उन्होंने इसके पीछे 2012 के अपने पुराने राजनीतिक सफर का हवाला दिया, जब वे लोकसभा सांसद रहते हुए ही सीधे मुख्यमंत्री बने थे। इस फैसले के पीछे की राजनीतिक वजहें तलाशी जाएं तो ऐसा लगता है कि अखिलेश के किसी एक विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने से विपक्षी दल (विशेषकर भाजपा) उन्हें उसी क्षेत्र में उलझा सकते हैं। चुनाव न लड़कर वे पूरी तरह से स्वतंत्र रहकर राज्य की सभी 403 सीटों पर सघन चुनाव प्रचार कर सकेंगे। अखिलेश चुनाव भले नहीं लड़ें, लेकिन वह स्वयं को सीधे तौर पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं, जिससे कार्यकताओं में स्पष्ट संदेश जाए। हालांकि विरोधी दल इसे चुनाव से भागना और हार का डर बता रहे हैं, लेकिन सपा समर्थक इसे एक सोची-समझी और परिपक्व चुनावी रणनीति मान रहे हैं।

बहरहाल, समाजवादी पार्टी के लिए 2027 का मार्ग जितना अनुकूल दिख रहा है, उतना ही यह कांटों भरा भी है। यदि अखिलेश की वापसी होती है तो उनकी सत्ता में वापसी की राह में कई अहम कारक भूमिका निभाएंगे। सबसे खास बात यह है कि भाजपा सरकार के लगातार दो कार्यकालों के बाद जनता के एक वर्ग में बदलाव की इच्छा सपा के पक्ष में जा सकती है। जबकि कांग्रेस के साथ गठबंधन के मजबूत रहने और बसपा के लगातार जनाधार खोने से भाजपा विरोधी वोट सीधे सपा के खाते में आ सकते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक और सांडों की समस्या जैसे जमीनी मुद्दों को उठाकर अखिलेश

हत्या के मामले में फरार आरोपी को मुंबई पुलिस ने 9 साल बाद गाजीपुर से किया गिरफ्तार



मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली पुलिस ने एक महिला की हत्या के फरार आरोपी को 9 साल बाद उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला स्थित अहलादपुर गाँव से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम पारस शंकर यादव है। कांदिवली पूर्व के हनुमान नगर परिसर में रहनेवाला पारस यादव पेशे से रिक्शा ड्राइवर था। रिक्शा चलाते समय 1995 में उसकी मुलाकात कांदिवली में रहने वाली एक महिला से हुई। दोनों के बीच मेल मिलाप बढ़ा। पारस महिला के घर आने जाने लगा। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और पारस ने महिला को आग के हवाले कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पारस को गिरफ्तार कर लिया गया। 14 दिसंबर 1998 को उसे जमानत मिली। 3 मई 2017 को सेशन कोर्ट ने उसे फरार घोषित कर दिया, तब से पुलिस लगातार उसका पता लग रही थी। इसी बीच पुलिस को ह्यूमन सर्विलेंस की मदद से उसके गाजीपुर होने की सूचना मिली। अपर पुलिस आयुक्त शशि कुमार मीना , पुलिस उपायुक्त संदीप घुगे, सहायक पुलिस आयुक्त संतोष धनवटे, कांदिवली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक करण सोनकवडे तथा पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण करांडे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक माधवी कडव के नेतृत्व में वामन जायभाई, अभिजीत चव्हाण ,तुषार सावंत, और अजंता यादव की टीम ने गाजीपुर जाकर पारस यादव को गिरफ्तार किया। पारस यादव अपनी पहचान छुपाने के लिए साधु बन गया था। वह आसपास के गांव में सर्पमित्र के नाम से प्रसिद्ध था। कांदिवली पुलिस ने खानपुर पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार किया और मुंबई ले आई। पारस यादव एक हिस्ट्री सीटर बदमाश है। इसके पहले वह अपने पिता की हत्या के आरोप में भी जेल जा चुका है। यही नहीं उसके भाई की संदिग्ध हत्या में भी उसका हाथ बताया जाता है।

दिव्यांगों के साथ खुशियों के रंगों से सजी दिवाली, वंदे मातरम् संस्था का दिव्यांग स्वीट दिवाली उपक्रम-2026 संपन्न



पालघर(उत्तरशक्ति)। दिव्यांगजनों के जीवन में खुशियों के रंग भरने और उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा करने के उद्देश्य से वंदे मातरम्-अंध-अपंग सेवाभावी संस्था की ओर से आयोजित ह्यदिव्यांग स्वीट दिवाली उपक्रम-2026 रविवार, 8 नवंबर को हर्षोल्लास और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में बड़ी संख्या में दिव्यांग भाई-बहनों ने हिस्सा लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए त्योहार की खुशियां साझा कीं। हम दिव्यांग हैं, फिर भी सुंदर हैं और हमारा जीवन भी सुंदर है इस प्रेरणादायी विचार को केंद्र में रखकर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दिव्यांग भाई-बहनों के साथ मिठाइयां और दीपावली का फराल साझा किया। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, अपनत्व और मानवीय संवेदनाओं का सुंदर माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में पालघर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र गावित, पालघर नगर परिषद के नगराध्यक्ष उत्तम घरत, पूर्व नगराध्यक्ष डॉ. उज्ज्वला काले, शिवसेना प्रवक्ता केदार काले, मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन पालघर तहसील अध्यक्ष डॉ. विकास पाटील, टीमा एमआईडीसी तारापुर-बोईसर के अध्यक्ष डी. के. राऊत, निऑर्न फाउंडेशन परिवार की संध्या पाटील, रोटरी क्लब ऑफ पालघर के अध्यक्ष भूषण सावे, स्वीकृत नगरसेवक एड. जयेश आव्हाड, लायन्स क्लब ऑफ सफाले के अध्यक्ष जतिन कदम तथा अंबज्ञ लाइफ साइंसेस एलएलपीसी की नूतन तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा डिकोरे होम फैब्रिक्स प्रा. लि. के प्रतिनिधियों सहित लायन प्रमोद पाटील, लायन कमलाकर पाटील, लायन सतीश घरत, लायन पंकज म्हात्रे और लायन भूपेश म्हात्रे ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन को सहयोग प्रदान किया।

पीढ़ियों का भरोसा, अब विज्ञान के साथ सामने: डाबर च्यवनप्राश का ट्रिपल एक्शन ऑन अभियान

मुंबई/पटना। हम अक्सर स्वास्थ्य का आकलन उन चीजों से करते हैं जिन्हें हम देख सकते हैं, जैसे टेनिस का अच्छा खेल, पूरे दिन ऊजार्वान बने रहना या आईने में आत्मविश्वास से भरी छवि। लेकिन डाबर च्यवनप्राश का नया अभियान एक और महत्वपूर्ण सवाल उठाता है: हमारे शरीर के अंदर क्या हो रहा है? डाबर इंडिया लिमिटेड ने ट्रिपल एक्शन ऑन। रखे अंदर से स्ट्रॉन्ग। अभियान लॉन्च किया, जो डाबर च्यवनप्राश के विश्वसनीय आयुर्वेदिक फॉर्मूले के पीछे छिपे विज्ञान को सामने लाता है। प्रभावशाली दृश्य प्रस्तुति के माध्यम से यह अभियान दिखाता है कि ट्रिपल-एक्शन सुरक्षा शरीर, अंगों और कोशिकाओं के तीन स्तरों पर कैसे काम करती है, और उस भरोसे को जिसे परिवार पीढ़ियों से मानते आए हैं, अब लोगों के लिए देखने, समझने और उस पर चर्चा करने योग्य बनाती है।

श्याम मेटालिक्स ने रोशनी, कला और उत्सव के चार दिवसीय जश्न के लिए जोड़ा पूरे शहर को

मुंबई/पटना। श्याम मेटालिक्स ने इस साल दिवाली के अवसर पर आलोकमय कोलकाता के जरिए पूरे शहर को जोड़ने का प्रयास किया है। एक्रोपोलिस मॉल में 6 से 9 नवंबर 2026 तक आयोजित इस चार दिवसीय उत्सव ने रोशनी, रंग और संस्कृति के प्रति कोलकाता के गहरे प्रेम को प्रतिबिंबित किया। इस आयोजन के जरिये रचनात्मकता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामुदायिक भागीदारी के साथ इस शहर की उत्सवधर्मिता और कलात्मक चेतना का उत्सव मनाया गया। कोलकाता की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का उत्सव मनाने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल, आलोकमय कोलकाता ने इस त्योहारी मौसम को यादगार अनुभव में बदल दिया, जहां परंपरा, रचनात्मकता और नवोन्मेष का मेल हुआ है।

पुरानी दुश्मनी के कारण 24 वर्षीय युवक की निर्मम हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

घोलवड पुलिस और एलसीबी की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर कुछ ही दिनों में सुलझाई हत्या की गुत्थी

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के घोलवड पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत जांबूगांव-मुन्हापाडा इलाके में 24 वर्षीय युवक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुराने विवाद के चलते नितिन चंदू पागी की हत्या किए जाने का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घोलवड पुलिस और पालघर स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर महज कुछ दिनों में इस सनसनीखेज हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 नवंबर की सुबह जांबूगांव के मुन्हापाडा स्थित तीन मुहानी सड़क पर नितिन चंदू पागी (24) का शव खून से लथपथ अवस्था में मिला था। उसके चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए थे। इस घटना की सूचना मयूर जयराम मुन्हा द्वारा दिए जाने के बाद घोलवड पुलिस थाने में शुरूआत में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया था।

हालांकि घटनास्थल का निरीक्षण करने और प्राथमिक जांच के दौरान पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। गहन जांच में सामने आया कि नितिन की मौत दुर्घटनावश नहीं हुई थी, बल्कि अज्ञात आरोपियों ने किसी हथियार से उसके सिर पर वार कर उसकी हत्या की थी। इसके बाद



2 नवंबर को आकस्मिक मृत्यु के मामले को हत्या के अपराध में परिवर्तित कर आगे की जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पालघर पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के मार्गदर्शन में घोलवड पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा की विशेष जांच टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने के साथ-साथ गोपनीय जानकारी जुटाकर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान हत्या के पीछे पुराना विवाद होने की बात सामने आई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ और मामले की आगे की जांच जारी है। इस हत्याकांड की आगे की जांच घोलवड पुलिस थाने के प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप कहाले कर रहे हैं। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, डहाणू विभागीय पुलिस अधिकारी निशा जाधव तथा बोईसर विभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश बैसाणे के मार्गदर्शन में घोलवड थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप कहाले, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश शिंदे, उपनिरीक्षक स्वप्निल सावंतदेसाई, कीर्तिकुमार गायकवाड़, विशाल पवार और ग्रेड पुलिस निरीक्षक कृष्णा पवार सहित घोलवड पुलिस थाना एवं एलसीबी के अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा सफलता पूर्वक की गई।

शिवसेना शाखा प्रमुख राहुल कमलाकर पाटिल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 14 के शिवसेना शाखा प्रमुख श्री राहुल कमलाकर पाटिल का जन्मदिन आज 11 नवंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर पत्रकार तारकेश्वर पांडेय ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर तारकेश्वर पांडेय ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें जीवन में निरंतर सफलता प्रदान करें तथा वे इसी तरह समाजसेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय रहकर लोगों की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि राहुल कमलाकर पाटिल का जीवन खुशियों, सफलता और नई उपलब्धियों से भरा रहे। जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर उन्हें एक बार फिर हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं।

महाराष्ट्र के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आदिवासियों के साथ मनाई दिवाली

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य में सूखे का संकट मंडरा रहा है। ऐसे में किसानों और आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाने का आह्वान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया था। इस आह्वान का प्रतिसाद देते हुए कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने गोरेगांव पूर्व स्थित आरे मिल्क कॉलोनी परिसर के खांबांचा पाड़ा में आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाई। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों को शैक्षणिक सामग्री, खिलौने, पटाखे, बिस्कुट और साइकिलें वितरित कर उनकी खुशियों में वृद्धि की।वनवासी कल्याण आश्रम, महाराष्ट्र और लोढ़ा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में इस दिवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आरे मिल्क कॉलोनी के यूनिट क्रमांक 25 स्थित खांबांचा पाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री लोढ़ा ने आदिवासी परिवारों के साथ



संवाद किया और उनके साथ दिवाली की खुशियां मनाईं। इस पहल के अंतर्गत लोढ़ा फाउंडेशन के माध्यम से मरम्मत कर उपयोग के योग्य बनाई गई साइकिलें और खिलौने जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए गए। साथ ही बच्चों को दिवाली का फराल, पटाखे, बिस्कुट और शैक्षणिक सामग्री भी दी गई।

शहर के नागरिकों से उपयोग में नहीं आने वाली वस्तुएं एकत्रित कर लोढ़ा फाउंडेशन के माध्यम से उनकी मरम्मत की जाती है। इसके बाद साइकिल और खिलौनों जैसी वस्तुएं जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाई जाती हैं। उन्होंने भविष्य में हर वर्ष अलग-अलग आदिवासी पाड़ों में दिवाली मनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। प्रकृति के सान्निध्य में आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाने का अनुभव अब तक की दिवाली की सबसे खास यादों में से एक है, ऐसा भी उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में आदिवासी भाई-बहनों ने पारंपरिक तारपा नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस नृत्य का उत्साह देखकर मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा भी स्वयं को नृत्य में शामिल होने से रोक नहीं पाए। उन्होंने आदिवासी भाई-बहनों के साथ तारपा नृत्य का आनंद लिया।

साथ ही छोटे बच्चों के साथ पटाखे फोड़े और घर-घर जाकर दिवाली के फराल का वितरण कर त्योहार की खुशियों को दोगुना कर दिया।इस अवसर पर नगरसेविका प्रीति साटम, वनवासी कल्याण आश्रम के कार्याध्यक्ष सुशील जाजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में आदिवासी भाई-बहन उपस्थित थे। मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आदिवासी पाड़े के छोटे बच्चों के साथ पटाखे फोड़कर दिवाली की खुशियां मनाईं। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर नागरिकों को दिवाली के फराल का वितरण किया।

हर्षद परशुराम भोईर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, मित्रों एवं शिवसैनिकों ने दी शुभकामनाएं

◆काशीमीरा के ढाचकुल पाड़ा में केक काटकर मनाया गया जन्मदिन, बड़ी संख्या में मित्रगण एवं पार्टी कार्यकर्ता रहे उपस्थित



मीरा-भाईंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 14 के ढाचकुल पाड़ा में सोमवार, 9 नवंबर को हर्षद परशुराम भोईर का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम 7 बजे शिवसेना शाखा प्रमुख राहुल कमलाकर पाटिल के कार्यालय में केक काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया गया। जन्मदिन समारोह में बड़ी संख्या में मित्रगण, शुभचिंतक एवं शिवसेना के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने हर्षद परशुराम भोईर को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर प्रीति हर्षद भोईर, कार्तिक हर्षद भोईर, माही हर्षद भोईर, कमलाकर दत्ताराम पाटिल, शिवसेना शाखा प्रमुख राहुल कमलाकर पाटिल, राकेश कमलाकर पाटिल उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक अखबार के पत्रकार तारकेश्वर पांडे सहित बड़ी संख्या में मित्रगण एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह के दौरान केक काटकर खुशियां साझा की गईं और सभी ने हर्षद भोईर को शुभकामनाएं देकर उनके जन्मदिन को यादगार बनाया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

भिवंडी में यादव समाज द्वारा गोवर्धन पूजा एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यादव समाज द्वारा गोवर्धन पूजा एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह फेनागांव स्थित मोनालिसा मैरिज हॉल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत आचार्य हिमांशु कुमार द्वारा धार्मिक अनुष्ठान गोवर्धन पूजा एवं आरती से हुई। भजन संध्या, बच्चों की नृत्य प्रस्तुतियों, प्रेरणादायक भाषणों और राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी ने समारोह को भक्तिमय एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करना तथा नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना रहा। समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए समाज की प्रगति का संकल्प लिया। समारोह यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय सीताराम यादव के मार्गदर्शन एवं गोवर्धन पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजेश यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर अजय सीताराम यादव ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण



करने की लीला प्रकृति और जीव-जंतुओं की रक्षा का संदेश देती है। उन्होंने श्रीमद्भागवत में वर्णित भाव को उद्धृत करते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामूहिकता, सहयोग और सेवा-भाव का भी प्रतीक है।

भगवान श्रीकृष्ण की इस लीला से हमें प्रकृति का सम्मान एवं संरक्षण करने की प्रेरणा मिलती है। वहीं धीरेंद्र पाल म्यूजिकल ग्रुप की गायिका श्रेया यादव ने अपने मधुर भोजपुरी गीतों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर यदुवंशी समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष शशिकांत यादव, दीनानाथ यादव, रविंद्रनाथ यादव, जीवनलाल यादव, विश्व यादव संघ के अध्यक्ष मोतीलाल यादव, पारसनाथ यादव, सुरेश यादव, यादव समाज प्रगति संघ के अध्यक्ष डॉ. शैलेश यादव, अवधेश यादव, विनोद यादव, एडवोकेट सुभाष यादव सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में भाजपा नेता आर डी यादव, स्थानीय नगरसेवक नितेश एंकर, नगरसेविका गीता नाईक, समाजसेवक विठोबा नाईक, पूर्व नगरसेवक विकास निकम, डी पी यादव एवं रामनारायण सोनी शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंगेश यादव, पी.डी. यादव, चंद्रभान यादव, राजेंद्र यादव, आचार्य सूरजपाल यादव, विजय यादव (सेठ), विजयप्रताप यादव, अखिलेश यादव, पवन यादव, मनीष यादव, मनोज यादव, विजयबहादुर यादव, लल्लन यादव, विनोद यादव सहित समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बालाजी नगर और भंडारी कंपाउंड के रहवासियों को नगरसेवक यशवंत टावरे ने दिया दीपावली का तोहफा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कम बारिश के चलते भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा पानी की कटौती किए जाने से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलसंकट गहराया हुआ है। नागरिकों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए बालाजी नगर और भंडारी कंपाउंड के रहवासियों को राहत देने के लिए नगरसेवक यशवंत टावरे ने नई पानी की पाइपलाइन का उद्घाटन कर दीपावली का तोहफा दिया। स्थानीय नागरिकों की पानी की समस्या को देखते हुए नगरसेवक यशवंत टावरे ने जनहित में पाइपलाइन का कार्य पूरा कराया। नई पाइपलाइन शुरू होने से बालाजी नगर और भंडारी कंपाउंड के रहवासियों को पानी की समस्या से



राहत मिलने की उम्मीद है। दीपावली के अवसर पर नागरिकों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने की इस पहल का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। पाइपलाइन का उद्घाटन नगरसेवक यशवंत टावरे और भाजपा प्रदेश सचिव सुनीता टावरे के हाथों नारियल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बाबू बालकुम, नामपेल्ली दुसा, राजबिहारी, हितेश टावरे, दिनकर सिंह सहित अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

◆आग पर काबू पाने में नागरी सुरक्षा दल ने दिया तत्पर सहयोग, उपनियंत्रक ने की स्वयंसेवकों की सराहना

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत महावीर नगर परिसर स्थित एक सोसायटी में बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे। इसी दौरान पास के एक कंपाउंड में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण आसपास के नागरिकों में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागरी सुरक्षा स्वयंसेविका शुभा देवेंद्र सरकार काम से घर लौट रही थीं। इसी दौरान उन्हें उक्त स्थान पर आग लगी दिखाई दी। आग की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल नागरी सुरक्षा दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी प्रिया सचिन पाटील को फोन कर घटना की जानकारी दी। घटनास्थल के नजदीक ही रहने वाली प्रिया पाटील तुरंत मौके पर पहुंचीं। नागरी



संरक्षण दल की ओर से अग्निशमन का प्रशिक्षण प्राप्त होने के कारण उन्होंने आग की स्थिति का जायजा लिया और तत्काल एमआईडीसी अग्निशमन दल से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले ही स्थानीय नागरिकों की मदद से पानी की बाल्टियों द्वारा आग बुझाने और उसकी तीव्रता कम करने के प्रयास शुरू कर दिए गये। घटनास्थल के पास ही विद्युत ट्रांसफॉर्मर, ड्रम निर्माण करने वाली कंपनी, वाणगांव फटाका मार्ट और रिहायशी बस्ती होने के कारण स्थिति बेहद संवेदनशील थी। आग के और फैलने पर बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की आशंका थी। इसे देखते हुए नागरी संरक्षण स्वयंसेवकों ने नागरिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और क्षेत्र में फैली दहशत को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी बीच एमआईडीसी अग्निशमन दल के अधिकारी पी. बी. पाटील अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लेकर अग्निशमन दल की मदद से करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में नागरी संरक्षण दल स्वयंसेविका प्रिया सचिन पाटील, शुभा देवेंद्र सरकार व राज रोशन वर्मा की सतर्कता, तत्परता एवं सूझबूझ से संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। बोईसर नागरी संरक्षण विभाग के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के ने अग्निशमन अधिकारी पी. बी. पाटील से घटना के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी ली। इस दौरान अग्निशमन अधिकारी ने नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से बड़ा नुकसान होने से बच गया। स्वयंसेवकों के इस सराहनीय कार्य के लिए पालघर जिले के उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे ने उनका विशेष अभिनंदन किया।

पश्चिम महाराष्ट्र सामाजिक संस्था बोईसर द्वारा भव्य दिवाली पहाट कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संजोने तथा दीपावली के पावन पर्व को परिवार व मित्रपरिवार के साथ सांस्कृतिक उत्साह से मनाने के उद्देश्य से पश्चिम महाराष्ट्र सामाजिक संस्था, बोईसर की ओर से रविवार 8 नवंबर 2026 को भव्य दिवाली पहाट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोईसर एमआईडीसी स्थित टीमा हॉल में सुबह 6:30 बजे आयोजित इस संगीतमय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ



डॉ. सुभाष संखे, विनायक पदमवार, रवि भावसार, भावना विचारे, रंजना संखे, संस्था के अध्यक्ष नानासाहेब साठे, ट्रस्टी बबनराव जाधव, प्रतापराव पाटील, तानाजी पाटील, हिंदुराव कोलेकर, ज्ञानदेव कुंभार, प्रमोदराव जाधव, दयानंद कांबले, महासचिव राजेंद्र थोरात, उपाध्यक्ष अनिल पाचंगणे, जनसंपर्क अधिकारी सोमनाथ भोजने, विलास अहिरेकर, चंद्रहार नलावडे, विश्वास जगताप और मधुकर गायकवाड सहित अन्य गणमान्य लोगों के हाथों दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में प्रस्तुत सुगम संगीत के मनमोहक और मधुर गीतों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुबह की सुहानी बेला में बड़ी संख्या में पहुंचे संगीत प्रेमियों ने कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। गायकों की बेहतरीन प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने पुरस्कारों की बौछार कर उनका उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के मध्यांतर में उपस्थित लोगों ने चाय का आनंद लिया। इस अवसर पर सभी गायक एवं कलाकारों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया गया। इसके बाद संगीत कार्यक्रम पुनः शुरू हुआ। सुबह 6:30 बजे से शुरू हुआ यह संगीतमय आयोजन सुबह 10:30 बजे उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

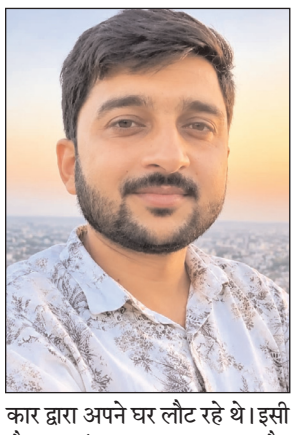
उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रक-कार की आमने-सामने टक्कर में हाईकोर्ट के अधिवक्ता की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर और सुजानगंज के बीच मंगलवार की रात ट्रक और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 वर्षीय अधिवक्ता अंकित तिवारी की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शेषपुर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, सुजानगंज थाना क्षेत्र के शेषपुर गांव निवासी अंकित तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी के पुत्र थे। वह प्रयागराज स्थित इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। बताया गया कि मंगलवार की रात करीब 11 बजे वह प्रयागराज से



कार द्वारा अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मुंगरा बादशाहपुर और सुजानगंज के बीच उनकी कार की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि अंकित कार के अंदर बुरी तरह फंस गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कार को तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद परिजन और स्थानीय लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

अंकित तिवारी की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, एक होनहार अधिवक्ता के निधन से गांव और क्षेत्र के लोगों में गहरा शोक व्याप्त है।

अल-फारूक पब्लिक स्कूल में दीपोत्सव एवं रंगोली प्रतियोगिता

सुईथाकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में अल-फारूक पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दीप सज्जा, दीप पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट एवं हाउस-वाइज रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस गतिविधि में नर्सरी से कक्षा 1 तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगीन कागजों से आकर्षक दीप तैयार किए तथा उनमें सुंदर रंग भरकर अपनी बाल-सुलभ कल्पनाशीलता का परिचय दिया। वहीं कक्षा 2 से 10 तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मिट्टी के दीपों को आकर्षक रंगों, सुंदर डिजाइनों एवं कलात्मक आकृतियों से सजाकर मनमोहक कलाकृतियाँ तैयार कीं।

कनीज फातमा के निर्देशन एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में बच्चों ने अद्भुत रचनात्मकता और उत्साह का प्रदर्शन किया।





विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई रंग-बिरंगी दीप कलाकृतियाँ इतनी आकर्षक थीं कि उन्हें देखकर हर कोई बच्चों की प्रतिभा की सराहना करने को विवश हो गया।

इसके अतिरिक्त विद्यालय में हाउस-वाइज रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें चारों सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में ब्लू हाउस ने प्रथम, येलो हाउस ने द्वितीय तथा रेड एवं ग्रीन हाउस ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगों के सुंदर संयोजन, आकर्षक डिजाइनों और रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

इस आयोजन में साधना सिंह, अमृता यादव, सावित्री, माला सिंह, कोमल गुप्ता, जेबा खान, माहेरा गुफरान, सबीहा खान, मिस्बा खान, शफक खान, मरियम खान, सुधीश सिंह, बसंत मिश्रा, जमीर खान, पवन कुमार एवं राम सागर यादव सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के सामूहिक प्रयासों एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास, कल्पनाशीलता, कलात्मक कौशल, टीम भावना और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करती हैं। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों, विजेता सदनों एवं सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त दो डंडे बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो डंडे भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विष्णु पुत्र रामदौर और शिवशान्त पुत्र रामदौर निवासी डीह असरफाबाद, थाना सरपतहां, जौनपुर के रूप में हुई है।

मामले के अनुसार डीह असरफाबाद बाजार में 8 नवंबर 2026 को आपसी रंजिश को लेकर सुनील कुमार पाल पुत्र सूर्यभान के साथ कथित तौर पर लाठी-डंडों से मारपीट की गई थी, जिसमें वह घायल हो गए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मु0अ0सं0 335/26 के तहत बीएनएस की धारा 109(1), 115(2), 352 और



351(3) में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सत्यवीर यादव, कांस्टेबल पवन कुमार यादव और कांस्टेबल ओम प्रकाश यादव शामिल रहे।

विवाह का झांसा देकर 21 वर्षीय युवती को भगाने का आरोप, दो नामजद समेत तीन पर मुकदमा

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के सरवरपुर वार्ड नंबर-1 निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 21 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर 2026 को सुल्तानपुर जनपद के कादीपुर थाना क्षेत्र स्थित सराय कल्याण निवासी रोहन तिवारी उनकी पुत्री को विवाह का झांसा देकर अपने साथ ले गया। इस मामले में रोहन की बहन निशा तिवारी और एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का भी आरोप लगाया गया है।

पुलिस ने 8 नवंबर 2026 को तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 0263/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 में प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरकर मनाई दीपावली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा पिछड़ा मोर्चा की जिला मंत्री व्योम सिंह पटेल ने सामाजिक समरसता और सेवा भावना का संदेश देते हुए दर्जनों गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को मिठाई, पटाखे, खिलौने और अन्य आवश्यक सामग्री उपहार स्वरूप भेंट



कर उनके साथ दीपावली का पर्व मनाया। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर व्योम सिंह पटेल ने कहा कि त्योहारों की असली खुशी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटने से आत्मिक संतोष मिलता है। यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने आसपास के एक जरूरतमंद परिवार की त्योहारों पर मदद करे, तो हर परिवार की दीपावली खुशहाल हो सकती है। आगामी चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व का विषय है। पार्टी नेतृत्व की ओर से जो भी आदेश और निर्देश मिलेगा, उसका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए कार्य किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का विश्वास भी उन्होंने जताया।

महाराष्ट्र के भाजपा नेता रूद्रमणि पांडे का जौनपुर में सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर भाजपा लीगल सेल के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट रूद्रमणि पांडे का आज बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव में सम्मान किया गया। एड. पांडे को उल्हासनगर का तेज तर्रार नेता माना जाता है। वे अपने एक करीबी रिश्तेदार के यहां आए हुए



थे। उनके आगमन की सूचना मिलने पर मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे और पूर्व प्रधानाचार्य रामअनंद पांडे ने उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुंबई के युवा उद्यमी संदीप पांडे तथा राकेश पांडे उपस्थित रहे। एड. पांडे मूल रूप से जनपद के ही अमारी, शाहगंज के निवासी हैं और उल्हासनगर में रहकर वकालत करते हैं। वर्ष 2012 में नगर पालिका का चुनाव भी लड़ चुके हैं। राजनीति और वकालत के अलावा रामचरितमानस प्रचार सेवा मंडल अंबरनाथ, हरिओम मानस सेवा संस्था उल्हासनगर, मां शारदा सनातन फाउंडेशन, उल्हासनगर, मां शारदा मानस सेवा मंडल, जय श्री राम सेवा मंडल जैसे अनेक धार्मिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। वे इन संगठनों के विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त हैं।

लाठी-डंडों से हमला व जान से मारने की धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मरगूपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव के बृजेश निषाद पुत्र लालचंद निषाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सामान लेने जा रहे थे। रास्ते में गौतम, निखिल और रामसरन ने उन्हें रोक लिया। बृजेश का आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज की और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की। इससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। उन्होंने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने बृजेश निषाद की लिखित शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 351 (3) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक कविंद्र नाथ राय को सौंपी गई है।

महराजगंज कार्यालय में हुई मासिक बैठक, संगठन मजबूत करने की बनी रूपरेखा

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा की मासिक बैठक मंगलवार को महराजगंज कार्यालय में हुई। इसमें विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा के जोन प्रमुख, सेक्टर प्रभारी और सभी विंगों के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंडल परिक्षेत्र सत्येंद्र सिंह, जिला सहकारिता मंच के अध्यक्ष सुशील सिंह, विधानसभा अध्यक्ष राज नारायण पटेल और मीडिया प्रभारी बजरंगी पटेल बैठक में शामिल हुए। सेक्टर अध्यक्ष संजय पटेल, जोन अध्यक्ष जयसिंह सरोज, पंकज बिन्द, रमेश गौतम, शोभनाथ पटेल, जय प्रकाश विश्वकर्मा और रसीद खान समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ गोवर्धन पूजा महोत्सव

भजन-कीर्तन और जयकारों से गूंजा ढालगर टोला, श्रद्धालुओं ने की गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के ढालगर टोला में 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण एवं गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर सामूहिक परिक्रमा की।

भागवताचार्य पं. रजनीकांत द्विवेदी ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए प्रकृति, पर्यावरण और गौवंश संरक्षण का संदेश दिया। वहीं आचार्य पं. निशकांत द्विवेदी ने वैदिक विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। कार्यक्रम में शशांक सिंह (रानू), मनोज मिश्रा, संजय पाठक, नीरज उपाध्याय, डॉ. गंगाधर शुक्ला, अलका सिंह, डॉ. विकास रस्तोगी एवं कौशल त्रिपाठी सहित अन्य कलाकारों ने



भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। 'गिरिराज महाराज की जय' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

इस अवसर पर रामजी गुप्ता, विनोद अग्रहरि, किशोर कुमार ओझा, राजेश सिंह मुन्ना, राजीव गुप्ता, शरद टंडन, रत्नेश गुप्ता, संतोष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

पटाखा फोड़ते समय हुआ दर्दनाक हादसा, गिलास का टुकड़ा पेट में धंसने से 8 वर्षीय मासूम की मौत

कलीम सिद्दीकी

करंजाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में दीपावली की रात पटाखा फोड़ते समय हुए दर्दनाक हादसे में आठ वर्षीय मासूम आभास कश्यप की जान चली गई। पटाखे के ऊपर गिलास रखकर विस्फोट करने के दौरान गिलास का नुकीला टुकड़ा बच्चे के पेट में जा धंसा। गंभीर रूप से घायल मासूम ने सोमवार रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, दीपावली की रात आभास अपने घर के पास पटाखे जला रहा था। इसी दौरान उसने एक पटाखे के ऊपर गिलास रखकर उसमें आग लगा दी। पटाखे में तेज धमाका होते ही गिलास के टुकड़े बिखर गए। इनमें से एक नुकीला टुकड़ा सीधे उसके पेट में जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। बच्चे की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। उसके दादा दुखी कश्यप आनन-फानन में उसे खून से लथपथ हालत में मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया। हालांकि, अंदरूनी अंगों में गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते सोमवार रात उसकी मौत हो गई।

मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां प्रतिभा कश्यप का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि आभास तीन भाइयों में से एक था और उसके पिता राजेश कश्यप का पहले ही निधन हो चुका था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य नहीं है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

सावधानी ही बचाव है: यह हादसा पटाखे जलाते समय लापरवाही के गंभीर परिणामों की याद दिलाता है। बच्चों को कभी भी अकेले पटाखे न जलाने दें और पटाखों के ऊपर कांच, स्टील या किसी अन्य बर्तन को रखकर विस्फोट करने का प्रयास बिल्कुल न करें। ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

तेजीबाजार पुलिस ने हत्या के मामले में दो वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के बसरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने दो वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर की रात करीब आठ बजे आठ आरोपितों ने एकराय होकर रमेश यादव (40), मुन्नू यादव और प्रदीप यादव के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की थी। इसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के लिए ले जाते समय रमेश यादव की मौत हो गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए तेजीबाजार पुलिस ने मंगलवार 10 नवंबर को कलिंजरा बाजार से रामसिंह चौहान उर्फ टेनी और शिवा चौहान निवासी बसरा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद दोनों को जेल भेज दिया।

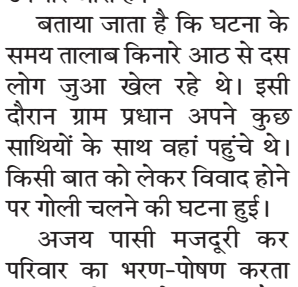
सिविल विवाद को आपराधिक रंग देने की कोशिश नाकाम, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूरी कार्यवाही की निरस्त

अधिवक्ता नीतीश कुमार यादव की प्रभावी पैरवी से आवेदकों को मिली राहत, चार्जशीट और सम्मन आदेश भी निरस्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिविल विवाद को आपराधिक मुकदमे का रूप देकर कानूनी कार्रवाई करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। माननीय उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद आपराधिक कार्यवाही, चार्जशीट और मजिस्ट्रेट द्वारा जारी सम्मन आदेश को निरस्त कर दिया। इस मामले में अधिवक्ता नीतीश कुमार यादव की प्रभावी पैरवी और कानूनी दलीलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला मीरगंज थाना क्षेत्र, जनपद जौनपुर से संबंधित था। आवेदकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 323, 504, 506 और 427 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था।

आवेदकों की ओर से अधिवक्ता नीतीश कुमार यादव ने उच्च



न्यायालय में दलील दी कि विवाद मूल रूप से बाउंड्री वॉल और भूमि की सीमा से संबंधित दीवानी प्रकृति का मामला है, जो पहले से ही सक्षम दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। उनका तर्क था कि दीवानी विवाद को आपराधिक मुकदमे का रूप देकर आवेदकों पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया।

अधिवक्ता ने न्यायालय के समक्ष यह भी दलील दी कि मामले में कोई स्वतंत्र चश्मदीद गवाह उपलब्ध नहीं है और विवेचना में दर्ज गवाह विपक्षी पक्ष के परिवार से संबंधित हैं। साथ ही आरोपों के समर्थन में मेडिकल रिपोर्ट और अन्य स्वतंत्र साक्ष्यों की कमी की ओर भी न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया गया।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली का अवलोकन करने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आवेदन संख्या Application U/S 528 BNSS No. 7825 of 2026 स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने आपराधिक वाद संख्या 20/2021 (राज्य बनाम शोभनाथ मौर्य व अन्य) की संपूर्ण कार्यवाही, आरोपपत्र तथा सम्मन आदेश को निरस्त कर दिया।

इस कानूनी सफलता को अधिवक्ता नीतीश कुमार यादव द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक परामर्श मंच के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। मंच के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को कानूनी सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मंच की ओर से कहा गया कि किसी भी व्यक्ति को कानूनी जानकारी के अभाव में परेशान नहीं होना चाहिए। जरूरतमंद लोग विधिक परामर्श के लिए संपर्क कर सकते हैं।

पूर्व सीएमओ ने मां की पुण्यतिथि पर कंबल बांटे

महराजगंज में गरीबों को कंबल दिए; हर साल वितरण करने की बात कही

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज में पूर्व सीएमओ इलाहाबाद डॉ. एच.एल. पासी ने अपनी मां की पुण्यतिथि पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे। डॉ.पासी ने कहा कि गरीबों के प्रति उनके मन में शुरू से सहानुभूति रही है। उनके सुख-दुख में शामिल होना उन्हें अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि वे हर साल अपनी मां की पुण्यतिथि पर

जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटते हैं



और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। कार्यक्रम में उनकी बुआ डॉ. नेहा, मुरादाबाद मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर हिमांशु, प्रदीप कुमार, जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक रमाशंकर सरोज, राम बुझारत, श्यामलाल, पूर्व जिला जज पन्नालाल सरोज, रमेश सरोज, व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविन्द सोनी, संतोष दूबे और रमेश निगम सहित क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश सेठ ने किया।

जुआ खेलने के विवाद में ग्राम प्रधान पर गोली चलाने का आरोप, एक युवक की मौत दूसरा घायल

मोहांव गांव के पास तालाब किनारे हुई घटना, वाराणसी में इलाज के दौरान अजय पासी ने तोड़ा दम

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहांव गांव स्थित पासीपुरवा में सोमवार रात जुआ खेलने के दौरान विवाद हो गया। आरोप है कि ग्राम सभा बकराबाद के प्रधान संजय बिंद ने पिस्टल से गोली चला दी, जिसमें अजय पासी (28) और सुरेंद्र राम घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कॉलेज गाजीपुर से वाराणसी रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान अजय पासी की मौत हो गई, जबकि सुरेंद्र का उपचार जारी है।

बताया जाता है कि घटना के समय तालाब किनारे आठ से दस लोग जुआ खेल रहे थे। इसी दौरान ग्राम प्रधान अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचे थे। किसी बात को लेकर विवाद होने पर गोली चलने की घटना हुई।

अजय पासी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह तीन बहनों का इकलौता भाई और तीन वर्षीय बेटी का पिता था। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अस्पताल पहुंचकर घायलों के बारे में जानकारी ली।

एसपी सिटी डॉ. राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल गई दसवीं की छात्रा घर नहीं लौटी परिजनों की तहरीर पर सिंगरामऊ थाने में मुकदमा दर्ज, पुलिस तलाश में जुटी

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव की दसवीं की छात्रा स्कूल जाने के बाद घर नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने थाने में लिखित तहरीर दी। परिजनों के मुताबिक, छात्रा की उम्र 16 साल 3 महीने है। वह स्कूल गई थी, लेकिन देर तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने सगे-संबंधियों और अन्य संभावित जगहों पर भी उसे तलाशा। परिजनों की तहरीर पर सिंगरामऊ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस छात्रा की तलाश कर रही है।

भेलहिया मेले में शुरू हुई निशुल्क पेयजल सेवा

पांचवें सम्मान समारोह में करीब 50 समाजसेवी सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला के गिरधरपुर और औरही गांव के बीच लगने वाले भेलहिया मेले का सोमवार को समापन हुआ। मेले में समाजसेवी विनय कुमार और विशाल विश्वकर्मा ने लोगों के लिए निशुल्क पेयजल सेवा शुरू की। पांचवें सम्मान समारोह में करीब 50 समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि करंजाकला ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन और विशिष्ट अतिथि भाजपा करंजाकला मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह दीपक ने किया। सुनील यादव मम्मन ने ग्राम प्रधान को पानी से भरा गिलास देकर पेयजल सेवा शुरू की। समारोह में क्षेत्र में सामाजिक काम करने वाले करीब 50 लोगों को सम्मानित किया गया। सुनील यादव मम्मन ने कहा कि समाजसेवा के लिए बड़ा काम करना जरूरी नहीं है। छोटे सहयोग और प्रयास भी समाज में बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करने की अपील की। प्रशांत सिंह दीपक ने निशुल्क पेयजल सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि गिरधरपुर और औरही गांव के बीच लगने वाले इस मेले से क्षेत्र के लोगों की आस्था जुड़ी है। यह मेला प्राचीन समय से लगता आ रहा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इस परंपरा और विरासत को



आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में स्वदेश भारत न्यूज के मुख्य संपादक स्वदेश कुमार और न्यूज भीम इंडिया के संपादक रामचंद्र नागर शामिल हुए। उन्होंने समाजसेवा के कामों की सराहना की और कहा कि ऐसे कामों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। साई दिव्यांग केयर के संचालक डॉ. लल्लन विश्वकर्मा, सन्नी विश्वकर्मा और क्षेत्र के कई लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।



स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवा संघ का लक्ष्मी पूजन भक्ति भाव से सपन्न



-लालशेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गत 8 नवम्बर को स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता संघ का लक्ष्मी पूजन कार्यक्रम बहुत ही उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें कंपनी के सभी अधिकारी और वितरकों ने लक्ष्मी माता का आशीर्वाद लिया और अपना व्यवसाय और बढ़े इसकी कामना की। स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवा संघ के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने माता लक्ष्मी से अपने परिजनों, मित्रों सहित सम्पूर्ण राष्ट्र के मंगल हेतु पूजन, अर्चन करके आर्शीवाद लिया। लक्ष्मी पूजा के शुभ अवसर पर स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता सेवा संघ से जुड़े सभी लोगों के साथ भारी संख्या में आम नागरिक भी उपस्थित थे। महालक्ष्मी पूजन के पश्चात सभी लोगों को प्रसाद स्वरूप फल और मिष्ठान वितरित किया गया।

ऑपरेशन मुस्कान: बदलापुर पुलिस ने चार वर्षीय गुमशुदा बच्ची को सकुशल परिजनों से मिलाया



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र में पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता से चार वर्षीय मासूम बच्ची को उसके परिजनों से मिला दिया गया। ऑपरेशन मुस्कान के तहत बदलापुर पुलिस ने चौराहे पर परिजनों से बिछड़ी बच्ची को सकुशल बरामद कर आवश्यक पहचान एवं सत्यापन के बाद उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर को सूचना मिली कि बदलापुर चौराहे पर करीब चार साल की एक बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ जाने के कारण रो रही है। चौराहे पर पिकेट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल बच्ची को अपनी सुरक्षा में लेकर थाने पहुंचाया। इसके बाद पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ और प्रचार-प्रसार कर बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की।

किशोरियों को लैंगिक भेदभाव और हिंसा के प्रति जागरूक किया



शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिलनधारा फाउंडेशन ने नई उम्मीद कार्यक्रम के तहत 9 और 10 नवंबर को अक्खीपुर ग्राम पंचायत भवन में दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया। इसमें संस्था से जुड़ी किशोरियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण का विषय लैंगिक भेदभाव और हिंसा था। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को लैंगिक समानता के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करना था। सत्र में उन्हें लैंगिक भेदभाव और उससे जुड़ी हिंसा के अलग-अलग पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि लैंगिक भेदभाव से समाज में असमानता बढ़ती है। किशोरियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। संवाद, उदाहरणों और सामूहिक गतिविधियों के जरिए किशोरियों ने विषय को समझा। प्रशिक्षण में अपने विचार रखने, सामाजिक चुनौतियों का सामना करने और समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षण का संचालन सुश्री शाइस्ता परवीन और रीतु यादव ने किया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख सुश्री रीतु यादव, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रंजना शुक्ला, कम्युनिटी मोबिलाइजर ज्योति भारती, प्रिया सिंह और सत्य प्रकाश शामिल हुए। समापन पर संस्था ने किशोरियों का आभार जताया और आगे भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

21 क्विंटल मिष्ठानों से सजा बाबा का दरबार, अन्नकूट पर काशी में उमड़ा भक्तिरस

सुरेश गांधी

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में मंगलवार को अन्नकूट पर्व पर भक्ति, वैभव और लोकपरंपरा का अद्भुत दृश्य साकार हुआ। अन्न के कण-कण में ईश्वर का वास मानने वाली सनातन परंपरा मानो बाबा विश्वनाथ के दरबार में साकार हो उठी। विविध रंगों, स्वादों और सुगंधों से सजे 21 क्विंटल मिष्ठानों के भव्य अन्नकूट से श्री काशी विश्वनाथ का अलौकिक श्रृंगार किया गया। बूंदी के लड्डू, मेवे के लड्डू और तरह-तरह की पारंपरिक मिठाइयों से सजा यह दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और आस्था का केंद्र बना रहा। पुष्पों की सज्जा, दीपों की जगमगाहट और धूप की सुगंध से पूरा धाम भक्तिरस में डूबा नजर आया। ऐसा प्रतीत हुआ, मानो अन्न के रूप में प्रकृति की समूची समृद्धि बाबा के चरणों में अर्पित हो गई हो।

अन्नकूट महोत्सव की शुरूआत टेढ़ीनीम स्थित महंत परिवार के आवास से भगवान श्री विश्वनाथ, माता गौरी और गणेश जी की पंचबदन रजत चल-प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा के साथ हुई। शहनाई की मधुर तान, डमरू की गूंज और श्रद्धालुओं के कंठ से उठते हर-हर महादेव के जयघोष ने वातावरण को शिवमय कर दिया। पारंपरिक विधि-विधान और धार्मिक उल्लास के बीच चल-प्रतिमा गर्भगृह में विराजमान हुई। इसके बाद बाबा विश्वनाथ की मध्याह्न भोग आरती संपन्न हुई। भगवान को विविध प्रकार के पकवानों और मिष्ठानों का भोग अर्पित कर सुख, समृद्धि और लोककल्याण की मंगलकामना की गई। अन्नकूट केवल पकवानों और मिष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन में अन्न के महत्व और प्रकृति के प्रति मनुष्य की कृतज्ञता का उत्सव है। भारतीय संस्कृति में अन्न को ब्रह्म कहा गया है। इसी भाव को आत्मसात करते हुए श्रद्धालु अन्न, प्रकृति, पशुधन और धरती के प्रति आभार प्रकट करते हैं। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार का शमन करने और प्रकृति तथा गोवर्धन पर्वत के महत्व को प्रतिष्ठित करने के लिए गोवर्धन पूजा की परंपरा स्थापित की। तभी से कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। काशी में इस पर्व का स्वरूप शिवभक्ति और अन्न के प्रति सम्मान का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। यहां बाबा विश्वनाथ को अन्न और मिष्ठानों का भोग अर्पित करना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि उस लोकमानस की अभिव्यक्ति है, जो अन्न को जीवन का आधार और ईश्वर का प्रसाद मानता है।

जाकिर खान, पंकज त्रिपाठी और विकास दिव्यकीर्ति द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में दर्शकों को हंसाने के साथ देंगे जिंदगी की सीख

मुंबई। पंकज त्रिपाठी, विकास दिव्यकीर्ति के साथ स्कूल की यादें ताजा करेंगे, तो सुनील ग्रोवर सरल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पांचवें सीजन में दर्शकों को हंसी, प्रेरणा और कई मजेदार सरप्राइज देखने को मिलेंगे।

जब कुछ प्रेरणादायक सफर और बेहतरीन कॉमेडी करने वाले कलाकार एक साथ आते हैं, तो हंसी, मजेदार किस्सों और यादगार पलों की महफिल सज जाती है! इस शनिवार, 7 नवंबर को नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सीजन 5 में जाकिर खान, पंकज त्रिपाठी और विकास दिव्यकीर्ति नजर आएंगे। इस दौरान वे अपनी सफलता की कहानियां, पुरानी यादें और कई मजेदार किस्से साझा करेंगे। दर्शकों को इन तीनों के जीवन के सफर, उनके अनुभवों और एक-

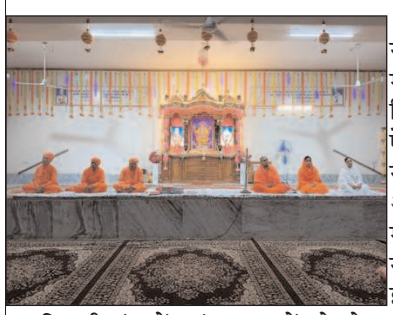


दूसरे से जुड़े कुछ अनसुने किस्सों को जानने का मौका मिलेगा, जिन्होंने उनके व्यक्तित्व और जीवन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। इस एपिसोड के एक खास पल में पंकज त्रिपाठी अपनी पुरानी यादें ताजा करते नजर आएंगे। वह बताएंगे कि एक क्लासरूम में उनकी विकास दिव्यकीर्ति से पहली मुलाकात कैसे हुई थी। साथ ही, वह यह भी बताएंगे कि एक समय पर उनकी यूपीएससी परीक्षा क्रैक करने की इच्छा थी। फिल्मी दुनिया में आने से पहले उनके और क्या सपने थे और विकास सर के साथ उनकी शुरूआती जान-पहचान कैसी थी, इन बातों को भी वह साझा करेंगे।

इस बीच, जाकिर खान अपने खास मजाकिया अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। जब उनकी शादी न होने की बात छिड़ेगी, तो वह अपने मजेदार जवाब से सभी को हंसने पर मजबूर कर देंगे। वहीं, विकास दिव्यकीर्ति भी कॉमेडी की दुनिया पर अपने विचार साझा करेंगे। वह एक दिलचस्प बात बताएंगे कि कॉमेडी करने वाले कलाकारों का आईक्यू (बुद्धिमत्ता स्तर) काफी अच्छा होता है। इस तरह हंसी-मजाक, बुद्धिमत्ता और लोगों को हंसाने की कला पर एक दिलचस्प चर्चा होगी।

और कपिल के शो में हंसी-मजाक का तड़का न लगे, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। ऐसे में कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा एक बार फिर अपने मजेदार अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। वे अपने अनोखे अंदाज से इस एपिसोड को और भी मजेदार बनाएंगे। वहीं, सुनील ग्रोवर ह्यसरल बिहारी वाजपेयी के किरदार में सभी को चौंका देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह दिखने और उनकी हूबहू नकल करने की उनकी शानदार कला को देखकर सभी लोग दंग रह जाएंगे। जाकिर खान, पंकज त्रिपाठी और विकास दिव्यकीर्ति एक साथ कपिल के सोफे पर नजर आएंगे। वहीं, सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा अपने मजेदार अंदाज से शो में हंसी का माहौल बनाएंगे। इस शनिवार का यह एपिसोड सफलता की कहानियों के साथ ढेर सारी हंसी और मनोरंजन से भरपूर होने वाला है।

महात्मा अम्बालिका बाई जी ने सेवाभावी भक्तों का जताया आभार



नाशिक (उत्तरशक्ति)। सद्गुरुदेव सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से सिंहस्थ महाकुंभ के ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह एवं महागोदावरी आरती के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति, नासिक शाखा द्वारा लगभग 8,500 आदिवासी बंधुओं एवं श्रद्धालुओं को भोजन और नाश्ते का वितरण किया गया। इस सेवाकार्य में मुंबई, पुणे और नासिक के प्रेमी भक्तों, मानव सेवा दल, युवा दल, नारी सेवा दल तथा आश्रम के कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। इस अवसर पर सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की शिष्या परमपूज्य महात्मा अम्बालिका बाई जी ने सभी सेवाभावी भक्तों एवं कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना ही सच्चे मानव धर्म का प्रतीक है। सत्संग मनुष्य को सत्य का मार्ग दिखाता है और सद्गुरु का ज्ञान अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। यह जानकारी आशुतोष तिवारी ने दी है।

आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च

ठाणे। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह नया इक्विटी निवेश विकल्प कंपनी की ज्यादातर यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के साथ उपलब्ध होगा। इस फंड के जरिये निवेशकों को मजबूत वित्तीय स्थिति और शेयर की कीमतों में सकारात्मक रुझान वाली कंपनियों में निवेश करने का अवसर मिलेगा।

यह इंडेक्स फंड निवेशकों को लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दिलाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके तहत बीएसई 500 की सूची में शामिल 50 ऐसे शेयरों का विविध पोर्टफोलियो बनाया जाएगा, जो दो प्रमुख मानकों- मोमेंटम और क्वालिटी पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। फंड के लॉन्च पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर मनीष कुमार ने कहा, आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड निवेशकों को मजबूत कारोबारी मॉडल, कमाई की बेहतर संभावनाओं और शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी वाली कंपनियों में निवेश के जरिये लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का प्रभावी अवसर देता है। खास बात यह है कि निवेशकों को ऐसी कंपनियों के पोर्टफोलियो में निवेश का मौका मिलेगा, जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। कंपनियों का चयन रिटर्न ऑन इक्विटी, डेट टू इक्विटी और प्रति शेयर आय (ईपीएस) जैसे वित्तीय मानकों के आधार पर किया जाता है। साथ ही, इन कंपनियों के शेयरों की कीमतों में पिछले 12 महीनों के दौरान अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

यह इंडेक्स फंड बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच ग्राहकों को लंबी अवधि के निवेश से मिलने वाले कंपाउंडिंग के लाभ का फायदा उठाने में सक्षम बनाने की कंपनी की रणनीति के अनुरूप है। इसके जरिये ग्राहकों को एक व्यवस्थित निवेश विकल्प मिलेगा, जो लगातार होने वाली वृद्धि को उनके परिवार की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा में बदलने में मदद करेगा। 30 सितंबर, 2026 तक बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स ने सात साल की अवधि में 23.7% तक का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि सात साल पहले निवेश किए गए एक लाख रुपये की कीमत आज बढ़कर 4.4 लाख रुपये हो गई होती। इसके अलावा, कारोबार के बुनियादी पहलुओं और बाजार के अवसरों में बदलाव के अनुसार फंड के पोर्टफोलियो को हर तिमाही में रीबैलेंस किया जाता है। गौरतलब है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में 99.3% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो दर्ज किया है। वहीं, बिना जांच वाले दावों के निपटारे में औसतन 1.1 दिन का समय लगा। यह आंकड़े जरूरत के समय ग्राहकों और उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अक्टूबर 2026 में 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

रांची(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 6.50 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल १३ प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अक्टूबर 2026 में घरेलू बिक्री 6.64 लाख यूनिट रही, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 5.98 लाख यूनिट से 11 प्रतिशत ज्यादा है। अक्टूबर 2026 में एक्सपोर्ट 0.69 लाख यूनिट रहा, जो अक्टूबर 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.51 लाख यूनिट से 35 प्रतिशत ज्यादा है। वित्तीय वर्ष 27 (अप्रैल-अक्टूबर 2026) के साल-दर-साल के समय के लिए, एचएमएसआई ने कुल 41.74 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 36.44 लाख यूनिट्स से 15 प्रतिशत ज्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 37.08 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 32.80 लाख यूनिट्स की तुलना में 13 प्रतिशत ज्यादा है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं.सूर्यनाथ उपाध्याय की प्रतिमा का हुआ भव्य अनावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी और विद्यासागर सोनकर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया अनावरण, वक्ताओं ने उनके त्याग और संघर्ष को किया याद मीठे पार इंटर कॉलेज के संस्थापक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व विधायक पं. सूर्यनाथ उपाध्याय की नवनिर्मित प्रतिमा का मंगलवार को विद्यालय परिसर में भव्य समारोह के बीच अनावरण किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर महान स्वतंत्रता सेनानी को नमन किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन कुंवर वीरेंद्र प्रताप ने की।



समारोह में पूर्व प्रमुख श्रीपति उपाध्याय, गोपीनाथ मिश्र, सेवानिवृत्त जिला जज विनोद मिश्र, रामकृष्ण त्रिपाठी, सेवानिवृत्त आईपीएस राममोहन सिंह, पूर्व प्रमुख सुधाकर उपाध्याय, अभयराज उपाध्याय, श्याम नारायण उपाध्याय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य साहबलाल यादव, डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र,डॉ. मनोज मिश्र, पारसनाथ उपाध्याय, रविंद्र मिश्र, माताफेर मिश्र, संदीप उपाध्याय, डॉ. मधुकर तिवारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है। ऐसे महापुरुषों की प्रतिमाएं केवल स्मारक नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देशभक्ति, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने का माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि पंडित सूर्यनाथ उपाध्याय जैसे महान व्यक्तित्वों के संघर्ष और योगदान को सदैव याद रखा जाना चाहिए।विशिष्ट अतिथि विद्यासागर सोनकर ने कहा कि आजादी के आंदोलन में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुषों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। पंडित सूर्यनाथ उपाध्याय ने स्वतंत्रता आंदोलन के साथ ही जनसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थान आज भी शिक्षा की ज्योति जला रहा है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। अध्यक्षता कर रहे कुंवर वीरेंद्र प्रताप ने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसके महापुरुषों और उनके आदर्शों से होती है। उनके विचारों और योगदान को संजोकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इसके पूर्व विद्यालय के प्रबंधक संजय उपाध्याय ने स्वागत भाषण के माध्यम से अतिथियों एवं अभ्यागतों का स्वागत किया। प्रबंधक एवं विद्यालय के शिक्षकों ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा मंचासीन गणमान्य लोगों को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार ज्ञापित किया। समारोह में विद्यालय परिवार, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पेन डायरी व प्रतिमा भेंट कर खुशहाली की कामना



चिराना। हाल ही में हुए पंचायत राज चुनावों में विजय हुए सरपंचों को पदभार ग्रहण करने के बाद उनको वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना ने जीत की बधाई देते हुए एक डायरी पेन और बाबा साहेब की प्रतिमा भेंट की और कहा लोकतंत्र में जीत हार तो होती रही है ,पर इनसे गिला न करते हुए विकास के काम करने से ही गाँव का भला होने वाला है। उन्होंने एक संदेश देते हुए कहा - जिंदगी की सोच अच्छी हो तो,हर कदम विकास की ओर बढ़ता है।

सकारात्मक सोच वह शक्ति है,जो स्वयं के साथ साथ दूसरों में भी कहीं ऊर्जा का संचार करती है। आप अपने अपने गांव के विकास खुशहाली और उज्जवल भविष्य के लिए जो भी सोचे,उसे पूरे विश्वास साहस और सकारात्मक ऊर्जा के साथ धरातल पर उतारे और किए गए विकास कार्यों एवं आगामी योजनाओं को कलमबद्ध करते हुए इस डायरी में उतारे।निरंतर कार्यों की गति को कलम के जरिए डायरी में विराम देते रहेंगे,तो यह प्रयास आपके लिए एक दस्तावेज बन जाएगा और अपनी दैनिक चर्या में भी नूतन बदलाव आएगा अंत में मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए - इतना जरूर से कहूंगा

देखना तुम्हारा किया यह प्रयास जरूर गुल खिलाएगा, स्याह समुद्र में भी तुझे नूर नजर आएगा, नूर नजर आएगा । शेत्र में मीरा पत्नी बाबूलाल सैनी चिराना से,मुन्नी पत्नी राज किशोर सैनी बागोरिया की ढाणी से,दातार सिंह लोहार्गल से सरपंच पद के लिए विजय हुए तो वहीं उपसरपंच पद के लिए मोहन लाल फौजी चिराना से, धौलू राम गुर्जर बागोरिया की ढाणी से और श्रीमती सावित्री शर्मा लोहार्गल से चुनी गई।

छठ महापर्व की तैयारियां तेज, शिवाजी तालाब छठ घाट की साफ-सफाई में जुटे समाजसेवी



दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर दुद्धी स्थित शिवाजी तालाब पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि छठ घाटों की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने में जुट गए हैं।छठ महापर्व को देखते हुए घाटों की साफ-सफाई, सीढ़ियों एवं घाटों की मरम्मत, जलाशय के आसपास जमा कचरे की सफाई, श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्तों को सुगम बनाने तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखने, खतरनाक स्थानों को चिह्नित करने, महिलाओं के लिए कपड़े बदलने की व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी तैयारी की जा रही है।वहीं, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों पर रोशनी, सजावट, सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था के साथ आपात स्थिति में सहायता के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

समाजसेवियों ने बताया कि छठ महापर्व क्षेत्र की आस्था और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे में व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सामूहिक प्रयास से घाटों को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए छठ महापर्व से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराने की अपेक्षा जताई है।सुझावः समाचार के साथ शिवाजी तालाब की सफाई करते हुए लोगों की तस्वीर लगाने से खबर और प्रभावशाली बनेगी।

दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, कन्हैया लाल अग्रहरि, दीपक शाह, पंकज अग्रहरि, सुरेंद्र गुप्ता सहित अन्य समाजसेवी शिवाजी तालाब स्थित छठ घाटों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय हैं।





कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव, वोकल फॉर लोकल से विकसित भारत का संकल्प

-सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपों की जगमगाहट, अपनों का अपनापन और व्यापारिक एकजुटता का संकल्प...। दीपावली के उल्लास ने मंगलवार को चौकाघाट स्थित सिटी गार्डन लॉन में कुछ ऐसा ही रंग बिखेरा। वाराणसी व्यापार मंडल से संबद्ध काशी बिस्कुट एंड कन्फेक्शनरी व्यापार मंडल की ओर से आयोजित वार्षिक दीपावली महोत्सव में व्यापारियों ने परिवार सहित सहभागिता कर खुशियां साझा कीं। समारोह में जहां गीत-संगीत और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर लोग देर तक थिरकते रहे, वहीं व्यापारिक समस्याओं, संगठन की मजबूती और सामाजिक दायित्वों पर भी गंभीर विमर्श हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रविंद्र जायसवाल रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय संगठन मंत्री, वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष



एवं काशी बिस्कुट एंड कन्फेक्शनरी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने की। इस अवसर पर सभी व्यापारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देने के साथ डाला छठ की अग्रिम बधाई दी गई।

अपने संबोधन में अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि कुटीर उद्योग भारतवर्ष की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। इन उद्योगों का महत्व केवल उत्पादन और रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अपने आसपास के समाज के सुख-दुख में भी सहभागी बनते हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान किया है। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ ही देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब स्थानीय उत्पादों, छोटे कारोबारियों और कुटीर उद्योगों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने व्यापारियों से आपसी सहयोग और संगठनात्मक एकता बनाए रखने की अपील की। वाराणसी व्यापार मंडल के महामंत्री कविंद्र जायसवाल ने व्यापारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापारी केवल कारोबार तक अपनी भूमिका सीमित न रखें, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी करें। समाज की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता भी व्यापारी समुदाय का महत्वपूर्ण दायित्व है। प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश निरंकारी ने भी व्यापारियों को शुभकामनाएं देते हुए कारोबार में निरंतर प्रगति और बेहतर कार्य करने का संदेश दिया।

समारोह में व्यापारिक समस्याओं पर चर्चा के दौरान संगठन की एकजुटता, आपसी समन्वय और व्यापारियों के हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठित व्यापारिक समाज ही अपनी समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचाकर समाधान की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने उत्सव में नई ऊर्जा भर दी। व्यापारी, पदाधिकारी और उनके परिजन संगीत की धुनों पर झूमते नजर आए। पारिवारिक सहभागिता ने आयोजन को महज औपचारिक मिलन से आगे बढ़ाकर आत्मीय रिश्तों और सामाजिक सौहार्द का उत्सव बना दिया।

इस अवसर पर सुशील लखमणि, शिवप्रकाश जायसवाल, विश्वनाथ दुबे, प्रभाकर मिश्रा, ऋषि केशरी, मीडिया अध्यक्ष दीप्तिमान देव गुप्ता, गुणगीत बग्गा, संजय गुप्ता, मनीष गुप्ता, विकास गुप्ता, राजीव वर्मा, अरविंद जायसवाल, रामकुमार यादव, धर्मेंद्र सिंह, अंबे सिंह, ज्ञानेश्वर जायसवाल, संतोष सिंह, शाहिद कुरेशी, पवन गुप्ता, शरद गुप्ता, अमित छाबरा, सुजीत कुमार वर्मा, मनोज गुप्ता, अजीत जायसवाल, शीतलाल, आनंद, देव कुमार, राजू, सचिन मौर्य, विनोद जायसवाल, अमित, नंदलाल केसवानी, जयप्रकाश, प्रवेश गुप्ता, जय निहालनी, योगेंद्र कुमार, मनोज विश्वकर्मा, नीरज गुप्ता, जितेश जायसवाल, हुमा बानो, प्रिया अग्रवाल, संतोष जायसवाल, कैलाश चौरसिया, चंचल सिंह, रमेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

सीमेंस लिमिटेड ने प्रदान किए एकीकृत टर्नकी रेल सॉल्यूशंस

मुंबई। सीमेंस लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने पुणे मेट्रो लाइन 3 के लिए टर्नकी रेल सॉल्यूशंस का एक एकीकृत सेट सफलतापूर्वक मुहैया कराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद इस प्रमुख मेट्रो कॉरिडोर पर आम यात्रियों के लिए व्यावसायिक परिचालन आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है।

23 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर पुणे के प्रमुख आईटी हब हिंजवडी को शिवाजीनगर से जोड़ता है। इस परियोजना को स्पेशल पर्पज व्हीकल 'पुणे आईटी सिटी मेट्रो रेल लिमिटेड' द्वारा पीपीपी मॉडल के तहत विकसित किया गया है, जो टीआरआईएल अर्बन ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (टाटा ग्रुप) और सीमेंस प्रोजेक्ट वेंचर्स जीएमबीएच का जॉइंट वेंचर है। इस परियोजना के तहत सीमेंस ने सिस्टम इंटीग्रेशन, 750 वोल्ट डीसी थर्ड रेल इलेक्ट्रिफिकेशन, कम्युनिकेशंस-बेस्ड ट्रेन कंट्रोल सिग्नलिंग, एकीकृत संचार प्रणाली और डिपो उपकरणों की आपूर्ति की है। इसके अलावा, अगले 10 वर्षों के लिए विद्युतीकरण और सिग्नलिंग प्रणालियों का रखरखाव भी सीमेंस के दायरे में शामिल है। सफलता पर टिप्पणी करते हुए सीमेंस लिमिटेड में मोबिलिटी बिजनेस के प्रमुख राजीव जोइसर ने कहा, ₹पुणे मेट्रो लाइन 3 का व्यावसायिक परिचालन शुरू होना भारत के शहरी परिवहन के सफर में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। टाटा ग्रुप और सीमेंस के बीच यह सफल साझेदारी दशार्ती है कि देश में बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने में पीपीपी मॉडल कितना कारगर है। हमारी उन्नत विद्युतीकरण, सिग्नलिंग और संचार तकनीकें यात्रा के समय को लगभग 50% कम करेंगी और पुणे के सतत विकास में अहम योगदान देंगी।

दीपावली पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने वरिष्ठ पत्रकार मधुकर भावे से की सदिच्छा मुलाकात, लिया आशीर्वाद



पत्रकारिता के अनुभव और मार्गदर्शन को बताया प्रेरणादायी, कहाझ वरिष्ठों का आशीर्वाद ही आगे बढ़ने की असली ताकत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दीपावली के पावन अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं अपने गुरुजन मधुकर भावे से सदिच्छा मुलाकात की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने श्री भावे का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस मुलाकात को अपने लिए आनंद और संतोष का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार मधुकर भावे से हर मुलाकात में कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव, गहन अध्ययन, विचारों की परिपक्वता और आत्मीयता के साथ दिया गया मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन की आगे की यात्रा में वरिष्ठजनों का आशीर्वाद और उनका मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होता है। उनके अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है और यही सीख आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

दीपावली के शुभ अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मधुकर भावे से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना मंत्री सरनाईक के लिए यादगार और सुखद अनुभव रहा।

रेनू तिवारी को भाजपा महिला मोर्चा सुल्तानपुर का जिला महामंत्री बनाए जाने पर बधाई



सुल्तानपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, सुल्तानपुर में रेनू तिवारी को जिला महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। नियुक्ति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रेनू तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए वह संगठन को मजबूत बनाने, जनसेवा तथा महिला सशक्तिकरण के कार्यों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने के लिए संकल्पित हैं। रेनू तिवारी की इस नियुक्ति पर भवन निमार्ता अनिल मिश्रा,उद्योगपति एवं समाजसेवी अरुण मिश्रा, प्रदीप मिश्रा नन्हे,विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, ओ पी मिश्रा सहित तमाम शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

स्टील फैक्ट्री में भीषण धमाका, 17 मजदूरों की मौत व 13 घायल



तुर्किये। तुर्किये के पश्चिमी हिस्से में एक स्टील फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इजमिर शहर के पास स्थित हाबास स्टील कारखाने में सोमवार को हुए धमाके में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरूआती जांच के अनुसार, औद्योगिक भट्ठी में ऊपर लगी एक भारी क्रेन गिरने से यह विस्फोट हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। हादसा स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 11 बजकर 46 मिनट पर इजमिर से करीब 60 किलोमीटर उत्तर में अलीआगा स्थित हाबास स्टील फैक्ट्री में हुआ।

इजमिर के गवर्नर के मुताबिक, कारखाने में एक बॉयलर को बदलने का काम चल रहा था। इसी दौरान ऊपर लगी क्रेन एक बड़ी औद्योगिक भट्ठी में गिर गई, जिससे जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास के इलाके में लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। प्रत्यक्षदर्शी डेनिज उलकर ने बताया कि धमाके के बाद सड़क के दूसरी ओर स्थित फैक्ट्री से घना काला धुआं उठता दिखाई दिया। चिमनी के पास आग भी लग गई थी।तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने हादसे पर दुख जताते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में दो की हालत गंभीर है। इजमिर के महापौर जेमिल तुगाय ने कहा कि मलबा पूरी तरह हटाए जाने के बाद ही मृतकों और घायलों की वास्तविक संख्या स्पष्ट हो सकेगी।

इस दुर्घटना के बाद फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। तुर्किये की लेबर पार्टी की इजमिर इकाई ने दावा किया कि पिछले तीन सप्ताह में कारखाने में यह तीसरी जानलेवा घटना है। पार्टी के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में इस कारखाने में दुर्घटनाओं के कारण सात कर्मचारियों की मौत हो चुकी है। संगठन ने आरोप लगाया कि कारखाने में रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं और सुरक्षा मानकों का उचित पालन नहीं किया जा रहा था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

आज होगा अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद का 57वां चित्रगुप्त पूजनोत्सव, तैयारियां पूरी

पटना। अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद के तत्वावधान में 57वें श्री भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव का आयोजन 11 नवंबर को पूरे श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। परिषद के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में सदस्य इसे भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने में जुटे हुए हैं। परिषद के सचिव मधुप मणि पिक्कू ने बताया कि परिषद के तत्वावधान में पिछले 57 वर्षों से निरंतर भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन राजधानी के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में शामिल हो चुका है, जिसमें प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। पूजनोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रहती है। उन्होंने बताया कि 11 नवंबर की सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्री चित्रगुप्त का विधि-विधानपूर्वक पूजन होगा। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा तथा सामुदायिक सहभोज का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। संध्या में भव्य भजन संध्या एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर परिषद के महिला मंच की सदस्यों एवं आमंत्रित कलाकारों द्वारा भक्ति गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

बिग बॉस ने रचा इतिहास, जिओ हॉटस्टार पर 100 करोड़ घंटे का वॉच टाइम हासिल

पटना। रियलिटी शो 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' ने एक नया इतिहास रच दिया है। यह जिओ हॉटस्टार पर 100 करोड़ घंटे का वॉच टाइम हासिल करने वाला भारत का पहला रियलिटी शो बन गया है। खास बात यह है कि शो ने 60 दिनों से भी कम समय में यह उपलब्धि हासिल की है। शो को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। इस सीजन में अब तक 350 करोड़ से अधिक वोट डाले गए हैं, जो पिछले सीजन के मुकाबले 71 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शो लोकप्रियता के नए रिकॉर्ड बना रहा है। यह यूके, कनाडा और सिंगापुर में जिओ हॉटस्टार के टॉप-5 शोज में शामिल है, जबकि यूएई में स्टार्जप्ले पर नंबर-1 बना हुआ है।

मोल्ड-टेक टेक्नोलॉजीज का मुनाफा १९७ प्रतिशत बढ़कर ९.६२ करोड़ रुपये पहुंचा

मुंबई। मोल्ड-टेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष २०२६-२७ की दूसरी तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित राजस्व सालाना आधार पर ५१.२ प्रतिशत बढ़कर ६०.८१ करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं, कंपनी का कर पश्चात शुद्ध लाभ (पीएटी) १९७.३२ प्रतिशत की वृद्धि के साथ ९.६२ करोड़ रुपये रहा। यह कंपनी के इतिहास का अब तक का सर्वाधिक तिमाही मुनाफा है। विशेष बात यह है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दर्ज किया गया शुद्ध लाभ पिछले पूरे वित्त वर्ष २०२५-२६ के कुल मुनाफे के लगभग बराबर है। यह कंपनी की वित्तीय स्थिति में हुए महत्वपूर्ण सुधार को दशार्ता है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का समेकित ईबीआईटीडीए भी बढ़कर रिकॉर्ड 14.58 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में ५.९६ करोड़ रुपये था। इस प्रकार इसमें सालाना आधार पर १४४.५ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक-के-बदले-एक बोनस शेयर जारी करने के अनुसार समायोजित प्रति शेयर आय (ईपीएस) भी बढ़कर १.६७ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह ०.५६ रुपये थी। कंपनी के अनुसार, बेहतर व्यावसायिक रणनीति, परिचालन दक्षता और उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाओं के विस्तार से इस वृद्धि को गति मिली है। सिविल, स्ट्रक्चरल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्रों में संभावित परियोजनाओं और ऑर्डरों की स्थिति भी सकारात्मक बनी हुई है। कंपनी को उम्मीद है कि मजबूत वित्तीय स्थिति और परिचालन उत्कृष्टता के बल पर वह भविष्य में भी लाभदायक वृद्धि जारी रखेगी।

महाराष्ट्र के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आदिवासियों के साथ मनाई दिवाली

मुंबई। राज्य में सूखे का संकट मंडरा रहा है। ऐसे में किसानों और आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाने का आह्वान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया था। इस आह्वान का प्रतिसाद देते हुए कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने गोरेगांव पूर्व स्थित आरे मिल्क कॉलोनी परिसर के खांबांचा पाड़ा में आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाई। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों को शैक्षणिक सामग्री, खिलौने, पटाखे, बिस्कुट और साइकिलें वितरित कर उनकी खुशियों में वृद्धि की।वनवासी कल्याण आश्रम, महाराष्ट्र और लोढ़ा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में इस दिवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आरे मिल्क कॉलोनी के यूनिट क्रमांक 25 स्थित खांबांचा पाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री लोढ़ा ने आदिवासी परिवारों के साथ संवाद किया और उनके साथ दिवाली की खुशियां मनाईं। इस पहल के अंतर्गत लोढ़ा फाउंडेशन के माध्यम से मरम्मत कर उपयोग के योग्य बनाई गई साइकिलें और खिलौने जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए गए। साथ ही बच्चों को दिवाली का फराल, पटाखे, बिस्कुट और शैक्षणिक सामग्री भी दी गई।



शहर के नागरिकों से उपयोग में नहीं आने वाली वस्तुएं एकत्रित कर लोढ़ा फाउंडेशन के माध्यम से उनकी मरम्मत की जाती है। इसके बाद साइकिल और खिलौनों जैसी वस्तुएं जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाई जाती हैं। उन्होंने भविष्य में हर वर्ष अलग-अलग आदिवासी पाड़ों में दिवाली मनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। प्रकृति के सान्निध्य में आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाने का अनुभव अब तक की दिवाली की सबसे खास यादों में से एक है, ऐसा भी उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में आदिवासी भाई-बहनों ने पारंपरिक तारपा नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस नृत्य का उत्साह देखकर मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा भी स्वयं को नृत्य में शामिल होने से रोक नहीं पाए। उन्होंने आदिवासी भाई-बहनों के साथ तारपा नृत्य का आनंद लिया। साथ ही छोटे बच्चों के साथ पटाखे फोड़े और घर-घर जाकर दिवाली के फराल का वितरण कर त्योहार की खुशियों को दोगुना कर दिया।इस अवसर पर नगरसेविका प्रीति साटम, वनवासी कल्याण आश्रम के कार्याध्यक्ष सुशील जाजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में आदिवासी भाई-बहन उपस्थित थे। मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आदिवासी पाड़े के छोटे बच्चों के साथ पटाखे फोड़कर दिवाली की खुशियां मनाईं। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर नागरिकों को दिवाली के फराल का वितरण किया।

आदिवासी बांधवों के साथ मंत्री प्रताप सरनाईक ने मनाई दीपावली



* विद्यार्थियों को बांटी शैक्षणिक सामग्री और जरूरतमंद परिवारों को दिया दिवाली राशन
* पानखंडा में आदिवासी परिवारों के बीच सहपरिवार पहुंचे मंत्री सरनाईक, दिवाली फराल का भी लिया आनंद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं 146-ओवळा-माजीवड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रताप सरनाईक ने दीपावली का पर्व घोड़बंदर रोड स्थित पानखंडा के आदिवासी बांधवों के साथ सहपरिवार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आदिवासी किसान, खेत मजदूरों और उनके परिवारों से मुलाकात कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने आदिवासी विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की और उनके उज्ज्वल भविष्य तथा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। वहीं, जरूरतमंद आदिवासी परिवारों को दीपावली राशन सामग्री प्रदान कर उनके त्योहार की खुशियों को दोगुना किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री सरनाईक ने सभी के साथ पारंपरिक दिवाली फराल का आनंद लिया। उन्होंने परिवारों के सदस्यों से बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं जरूरतों को भी समझा। इस मौके पर आदिवासी परिवारों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी और संतोष ने पूरे माहौल को भावनात्मक बना दिया।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि दीपावली का असली आनंद केवल दीपों की रोशनी में नहीं, बल्कि अपने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। दीपावली प्रकाश, आनंद और मानवता का त्योहार है। हमारी यही कोशिश होनी चाहिए कि समाज के हर घर में खुशियों का दीप जले और कोई भी परिवार त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे। उन्होंने आगे कामना की कि प्रत्येक विद्यार्थी के सपनों को नई दिशा मिले तथा हर परिवार के जीवन में सुख, शांति, संतोष और समृद्धि बनी रहे। इस पहल के माध्यम से मंत्री प्रताप सरनाईक ने सामाजिक सरोकार और जरूरतमंदों के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। उन्होंने सभी नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

सरकारी एजेंसियों के लिए प्याज और चीनी की पारदर्शी ई-नीलामी की सुविधा उपलब्ध करा रही है एमजंक्शन

मुंबई। जब सरकार कृषि उत्पादों को बाजार में उपलब्ध कराती है, तब यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होता है कि उनका भंडार पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से कुशलतापूर्वक खरीदारों तक पहुंचे। प्याज जैसी व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली खाद्य वस्तुओं के मामले में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि समय पर भंडार की आपूर्ति से बाजार में उनकी उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलती है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड अपने डिजिटल ई-नीलामी मंच के माध्यम से इस दिशा में सरकारी एजेंसियों को सहयोग प्रदान कर रही है। कंपनी ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) की ओर से 3,200 मीट्रिक टन से अधिक प्याज की बिक्री कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही, कंपनी ने हरियाणा स्टेट कोऑपरेटिव सप्लाई एंड मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (हैफेड) के लिए चीनी की ई-नीलामी आयोजित कर कृषि उत्पादों के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। जुलाई 2026 से प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव देखने को मिलने के बाद, भारत सरकार ने प्रमुख बाजारों में प्याज का भंडार जारी करने की पहल की। इसका उद्देश्य बाजारों में प्याज की उपलब्धता बढ़ाना और कीमतों में वृद्धि को नियंत्रित करने में मदद करना था।

इस पहल के तहत एमजंक्शन को दिल्ली-एनसीआर, गुवाहाटी, रांची और कोलकाता सहित विभिन्न बाजारों में प्याज की ई-नीलामी आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस प्रक्रिया में केवल नीलामी के लिए प्याज का भंडार उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं होता। उपयुक्त खरीदारों की पहचान करना और उन्हें जानकारी देना, पारदर्शी एवं सुरक्षित तरीके से बोली प्रक्रिया संचालित करना, समय पर भुगतान सुनिश्चित करना और निर्धारित समयसीमा के भीतर भंडार का उठाव कराना भी आवश्यक होता है। प्याज जल्दी खराब होने वाली वस्तु है, इसलिए इन सभी प्रक्रियाओं का समय पर पूरा होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अपने डिजिटल मंच के माध्यम से एमजंक्शन पंजीकृत खरीदारों को उपलब्ध भंडार के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बोली लगाने का अवसर प्रदान करती है। प्रतिस्पर्धात्मक बोली से बाजार में उचित मूल्य निर्धारण में मदद मिलती है, जबकि प्रत्येक लेनदेन का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। यह व्यवस्था सरकारी एजेंसियों को एक संगठित बिक्री प्रणाली के माध्यम से अधिक संख्या में खरीदारों तक पहुंचने में भी सक्षम बनाती है।

मदरसे में आग से मची अफरा-तफरी; कमरों में सो रहे थे 1300 छात्र, जहरीले धुएं से 79 छात्र बीमार व 4 की हालत गंभीर



ढाका। बांग्लादेश में मंगलवार को एक मदरसे में आग लगने के बाद धुएं के कारण कम से कम 79 छात्र बीमार हो गए, जिनमें से चार छात्रों की हालत गंभीर है।आग लगने के समय मदरसे में करीब 1,300 छात्र अपने कमरों में सो रहे थे। इनमें ज्यादातर छात्र छात्रावास में रहते हैं। आग लगने के बाद धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया, जिससे कई छात्रों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, हालांकि आग को पूरी तरह बुझाने में सुबह करीब 3:45 बजे तक का समय लगा। इस दौरान छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावितों को अस्पताल पहुंचाने का काम किया गया। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज डॉट कॉम' ने अग्निशमन विभाग के हवाले से बताया कि आग राजधानी ढाका से करीब 16 किलोमीटर दूर नारायणगंज स्थित जामिया अशरफिया मदरसे में लगी। छात्रों को इलाज के लिए ढाका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी' में ले जाया गया। चिकित्सा संस्थान के चिकित्सक डॉ. सुल्तान महमूद शिकदर ने बताया कि इनमें से 63 छात्रों को अस्पताल में भर्ती किया गया या आपातकालीन निगरानी में रखा गया, जबकि शुरूआती इलाज के बाद 16 छात्रों को छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि 14 से 22 साल की उम्र के चार छात्र गहन चिकित्सा इकाई (कठव) में भर्ती हैं, जिनमें से एक छात्र को जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। अस्पताल की ओर से जारी बयान में शिकदर ने कहा कि किसी भी छात्र के शरीर पर झुलसने के निशान नहीं हैं, लेकिन जहरीला धुआं सांस के जरिए फेफड़े में जाने से सभी को सांस संबंधी समस्याएं आई हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों की हालत का आकलन करने के लिए चिकित्सकों का एक मेडिकल बोर्ड बनाया गया है, गंभीर रूप से बीमार छात्रों की स्थिति का सही आकलन करने में चिकित्सकों को कम से कम 72 घंटे का समय लगेगा। 'ढाका ट्रिब्यून' समाचार पत्र ने अग्निशमन विभाग के ड्यूटी अधिकारी शाहजहां के हवाले से बताया कि मदरसे की पांच मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उन्होंने कहा कि धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया, जिससे वहां रह रहे छात्रों में अफरा-तफरी मच गई। अधिकारी ने बताया कि बाहर निकलने की कोशिश में कई छात्रों को धुएं के कारण सांस लेने में समस्या आई।

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया ने परिवार संग मनाई दिवाली

पटना। टेलीविजन की लोकप्रिय जोड़ी भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया ने परिवार के साथ दिवाली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया। भारती ने कहा कि घर की सजावट, दीये, मिठाइयां और परिवार का साथ उन्हें बेहद पसंद है। उनके लिए इस दिवाली की सबसे बड़ी खुशी बच्चों गोला और काजू की मुस्कान है। वहीं, हर्ष ने कहा कि पिता बनने के बाद त्योहारों का महत्व और बढ़ गया है। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे पारिवारिक परंपराओं और त्योहारों की खुशियों को समझें और उनसे जुड़ें। इस बार की दिवाली काजू के पहले त्योहारी सीजन के कारण भी उनके लिए खास रही।